राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 31 जनवरी–2022 वर्ष–4,अंक–368 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

RTI कानून की धारा 5 पर आधारित 84 वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबिनार का हुआ आयोजन

धारा 18 और 19 पर भी हुई चर्चा, बताया सम्पूर्ण समाधान के लिए धारा 19 के तहत अपीलों का पालन अनिवार्य

उप्र सूचना आयुक्त अजय उप्रेती और मप्र से आत्मदीप ने धारा 5 और अन्य मुद्दों पर रखे अपने विचार

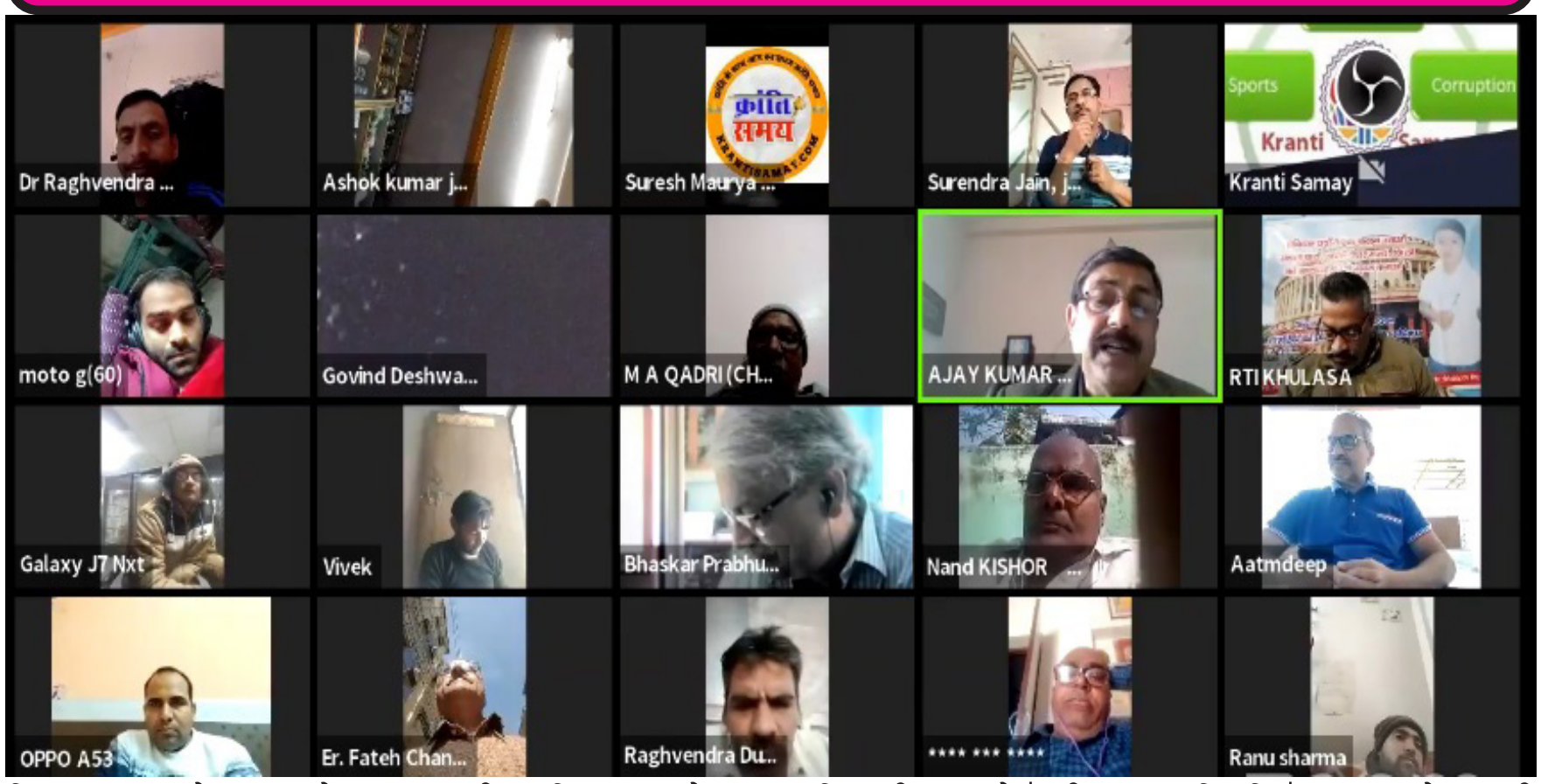

आरटीआई कानून 2005 की धारा 5 को लेकर लोक सूचना अधिकारियों के विधिक दायित्व और सूचना आयोग की शक्तियों के विषय में 84वें राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश के वर्तमान राज्य सूचना आयुक्तअजय कुमार उप्रेती, मध्य प्रदेश के वर्तमान सूचना आयुक्तराहुल सिंह, मध्य प्रदेश के पूर्व सूचना आयुक्तआत्मदीप एवं पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी, आरटीआई एक्टिविस्ट भास्कर प्रभु कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नरेन्दसिंह,राजस्थान

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहली बार पधारे उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त अजय कुमार उप्रेती ने उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए कई आवेदकों के सवालों के जवाब दिए। उत्तर प्रदेश से अशोक कुमार जायसवाला, अक्षय गोस्वामी, मेघराज सिंह, आलोक कुमार सिंह और उमेश कुमार मिश्रा आदि ने अपने–अपने प्रश्न पूछे। लोक सूचना अधिकारियों के द्वारा अपने दायित्वों की अवहेलना की जाती है जिसे लेकर उपस्थित सूचना आयुक्तों ने कहा कि इस स्थिति में आयोग उनके ऊपर दंडात्मक कार्यवाही करता है। आरटीआई कानून की धारा 5 की उप–धारा 3 में यह स्पष्ट उल्लेख है कि यदि आवेदक को किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता है तो लोक सूचना अधिकारी वह सब संभव सहायता उपलब्ध करवाएगा और धारा 5 की उप–धारा 4 और 5 के तहत यदि लोक सूचना अधिकारी किसी अन्य लोक प्राधिकारी को डीम्ड पीआईओ बनाता है तो उस स्थिति में डीम्ड पीआईओ को लोक सूचना अधिकारी की मदद करनी पड़ेगी और डीम्ड पीआईओ को भी लोक सूचना अधिकारी मानकर कर्तव्य की अवहेलना की स्थिति में दंडात्मक कार्यवाही की जा सकेगी। जहां तक सवाल आयोग की शक्तियों को लेकर है तो छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल, उत्तराखंड से प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार ठक्कर एवं राजस्थान से ताराचंद जांगिड़ ने धारा 18 और 19 पर आयोग की न्यायिक शक्तियों का हवाला देते हुए बताया कि कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर धारा 18 की शिकायत में भी जानकारी दी जानी चाहिए। हालांकि कुछ सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के निर्णयों का हवाला देकर यह बताया गया की धारा 18 में जहां दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान है वही यदि आवेदन का संपूर्ण निस्तारण करवाना है और जानकारी की मांग करनी है तो धारा 19 में अपीलीय प्रक्रिया का पालन करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार

जब तुम नहीं होगे, तब तुम पहली बार होगे। - आचार्य रजनीश

संपादकीय

टला नहीं संकट

यह अच्छी बात है कि कई राज्यों में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की तीव्रता कम होने के बाद कई तरह के प्रतिबंधों में ढील दी गई है। कुछ राज्यों में स्कूल खोलने की तैयारी की जा रही है। कोरोना संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में राजनीतिक विरोध के बावजूद स्कूल खोल दिये गये हैं। हालांकि, दिल्ली में सम-विषम के आधार पर दुकानों की बंदी और सप्ताहांत का कर्फ्यू हटाने के साथ कुछ अन्य छूट दी गई हैं लेकिन स्कूलों को खोलने पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया। दिल्ली सरकार का मानना है कि किशोरों का टीकाकरण हो जाने के बाद स्कूल खोलने का उचित माहौल बन पायेगा। यह अच्छी बात है कि कुछ राज्यों में कोरोना के मामलों में गिरावट के बाद प्रतिबंधों का दायरा सीमित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में स्कूलों को खोलने की प्रक्रिया आरंभ हुई है। दरअसल, विशेषज्ञों का मानना है कि लंबे समय तक कोरोना संकट के चलते स्कूल बंद होने का बच्चों के मानसिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वहीं कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि बच्चों में प्राकृतिक तौर पर रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। लेकिन बच्चों से अधिक भावनात्मक लगाव के कारण अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते हैं। तभी सरकारों ने तय किया है कि विद्यार्थी अभिभावकों की सहमति से स्कूल जा सकेंगे। स्कूलों को भी कोरोना से बचाव के उपायों पर सख्ती बरतने को कहा गया है। कोरोना संक्रमण रोकने को लगी बंदिशों का दायरा घटाने की खबरें ऐसे समय में आ रही हैं जब इंडियन सार्स-कोव-2 जीनोम कंसोर्शियम के अनुसार, कोविड-19 भारत में कम्युनिटी ट्रांसमिशन की स्थिति में पहुंच गया है, जिससे अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ी है। इसके बावजूद ओमीक्रोन के ज्यादा मामले हल्के-बिना लक्षण वाले हैं, जिसमें यह पता लगाना कठिन होता है कि व्यक्ति किसके संपर्क में आने से संक्रमित हुआ। बहरहाल, ऐसी स्थिति में समाज के बीच मौजूद वायरस के संक्रमण की चेन तोड़ना कठिन होता है। यह तेजी से प्रसार करता है। तभी स्वास्थ्य मंत्रालय टेस्टिंग-टीकाकरण के साथ ही टेली कंसल्टेशन पर जोर दे रहा है, ताकि अस्पतालों में ज्यादा भीड़ संक्रमण की वाहक न बने। इसके बावजूद कई राज्यों में बंदिशों में ढील देकर जान के साथ जहान बचाने की प्रक्रिया शुरू हुई है। दरअसल, पहली कोरोना लहर में सख्त बंदिशों के चलते अर्थव्यवस्था ने तेजी से गोता लगाया और करोड़ों लोग बेरोजगारी की कगार पर जा पहुंचे थे। अब संकट के बीच जीवन जीने को न्यू नॉर्मल बनाने की कोशिश हो रही है। हरियाणा में भी दसवीं से बारहवीं तक के स्कूल एक फरवरी से खोले जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ठंड व कोरोना प्रकोप के चलते स्कूलों को 31 जनवरी के बाद भी 15 फरवरी तक के लिये बंद कर दिया गया है। वहीं उत्तराखंड में नौवीं तक के स्कूल जनवरी के अंत तक बंद रहेंगे। झारखंड में फरवरी से स्कूल खोले जायेंगे। इसके बावजूद सामुदायिक संक्रमण की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। इसके शहरों के बाद ग्रामीण इलाकों में पांव पसारने की आशंका बनी हुई है। लेकिन राहत की बात यह है कि जनवरी के तीसरे सप्ताह में संक्रमण की आर वैल्यू में गिरावट आई है जो अभी डेढ़ के करीब है और उसके एक से कम होने पर महामारी के खत्म होने का संकेत माना जायेगा।

आज के कार्टुन

सत्य

जग्गी वासुदेव

कबीर एक बुनकर थे-वे एक महान दिव्यदर्शी कवि थे जो आज भी अपनी कविताओं के माध्यम से हमारे बीच जीवित हैं। उन्होंने जो काव्य लिखा था, गाया था, वह उनके जीवन का एक बहुत छोटा सा भाग है। अधिकतर समय वे कपड़ा बुनने का काम करते थे। चूंकि आज हमारे पास केवल उनका काव्य है तो लोगों को लगता है कि उन्होंने बस यही काम किया। नहीं, उनका जीवन तो कपड़ा बुनने में लगा था, काव्य करने में नहीं। उनका बुना हुआ कपड़ा आज नहीं है पर उनकी कही हुई कविताएं आज भी जीवित हैं। मुझे नहीं मालूम कि कितनी खो गई है पर जो बची है वे फिर भी अविसनीय हैं। वे अद्भुत मनुष्य थे पर उनके काव्य के अतिरिक्त हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। स्पष्ट है कि वे अत्यंत गहन अनुभव रखने वाले व्यक्ति थे, इसके बारे में कोई प्रश्न ही नहीं है। लेकिन उनका पूरा जीवन, उनकी मृत्यु और उसके बाद भी, उनकी दिव्यदर्शिता, ज्ञान अथवा स्पष्टता की एक नई दूरदृष्टि जो वे लोगों को देना चाहते थे, उसको लोगों ने महत्त्व नहीं दिया। वे सब बस इसी विवाद में उलझे रहे कि कबीर हिंदू थे या मुस्लिम? लोगों के सामने बस यही मुख्य प्रश्न था। अगर आप को ये मालूम नहीं है तो मैं आप के सामने एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण जानकारी रख रहा हूं- कोई भी इंसान, एक हिंदू या मुस्लिम, या जो ऐसे और भी बेकार के झंझट है, उनमें से किसी रूप में पैदा नहीं होता। ऐसे ही, कोई भी हिंदू या मुस्लिम या ऐसा ही कुछ और हो कर नहीं मरता। मगर जब तक हम यहां पर हैं, तब तक एक बड़ा सामाजिक नाटक चलता रहता है। ये सब कुछ जो आप ने बनाया है-आप के विचार कि आप कौन हैं, आप कौन सा धर्म मानते हैं, कौन सी चीज आप की है, कौन सी चीज आप की नहीं है?-ये सब असत्य है। जो सत्य है वह बस है, आप को उसके बारे में कुछ नहीं करना। इस सत्य की वजह से ही हम हैं। सत्य वह नहीं है जो आप बोलते हैं। सत्य का अर्थ है वे मूल नियम जो जीवन को बनाते हैं और जिनसे सब कुछ होता है। आप अगर कुछ कर सकते हैं तो बस ये चुन सकते हैं, कि आप सत्य के साथ लय में हैं या आप सत्य के साथ लय में नहीं हैं। आप को सत्य की खोज नहीं करनी है, सत्य का कोई अध्ययन भी नहीं करना है।

वैक्सीन से मिली इम्यूनिटी में ओमीक्रोन से वृद्धि

मुकुल व्यास

वैक्सीन की संपूर्ण डोज लेने वाले लोगों में यदि ओमीक्रोन का संक्रमण होता है तो वह न सिर्फ खुद के खिलाफ इम्यूनिटी उत्पन्न करता है बल्कि कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट्स से बचाव में वृद्धि करता है। सेन फ्रांसिस्को स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में चूहों पर किए गए प्रयोगों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। अध्ययन से यह भी पता चला कि वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों में ऐसी एंटीबॉडीज उत्पन्न नहीं हुई जो कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट्स को निष्प्रभावी कर सकें। विश्वविद्यालय की वरिष्ठ शोधकर्ता मेलेनी ओट ने कहा कि हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि ओमीक्रोन का संक्रमण वैक्सीनों से उत्पन्न इम्यूनिटी में वृद्धि करता है लेकिन वह अपनी तरफ से वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों में एक व्यापक इम्यूनिटी उत्पन्न नहीं करता। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि सार्स-कोव-2 वायरस की विविध किस्मों के उदय के बाद क्या एक वेरिएंट दूसरे वेरिएंट के खिलाफ इम्यूनिटी प्रदान कर सकता है। एक वायरस या वेरिएंट द्वारा दूसरे वेरिएंट के खिलाफ उत्पन्न इम्यूनिटी को 'क्रॉस प्रोटेक्शन' कहा जाता है। डेल्टा वेरिएंट की तुलना में ओमीक्रोन वेरिएंट का आनुवंशिक नक्शा बहुत बदला हुआ है। ध्यान रहे कि भारत में कोविड की दूसरी लहर डेल्टा वेरिएंट की वजह से उत्पन्न हुई थी और अब विश्व में डेल्टा के साथ-साथ ओमीक्रोन का भी संक्रमण बढ़ रहा है। ओमीक्रोन उन लोगों को संक्रमित कर सकता है जिन्हें पहले कोविड हो चुका है या जिन्होंने वैक्सीन के दोनों डोज लगवाए हैं। डेल्टा से होने वाले संक्रमण में फेफड़ों की गंभीर बीमारी का खतरा रहता है जबकि ओमीक्रोन कम गंभीर बीमारी उत्पन्न करता है और इसके लक्षण ज्यादातर ऊपरी श्वास प्रणाली तक ही सीमित रहते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का खयाल है कि ओमीक्रोन के तेजी से फैलने से सामूहिक प्रतिरक्षण में मदद मिल सकती है। ओट और उनकी सहयोगियों ने प्रयोगों में यह दर्शाया है कि डेल्टा संक्रमण चूहों में व्यापक इम्यूनिटी उत्पन्न कर सकता है जबकि ओमीक्रोन से संक्रमित चूहों की एंटीबॉडीज सिर्फ ओमीक्रोन को ही निष्प्रभावी कर सकती है। वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले लोगों में ओमीक्रोन और डेल्टा के संक्रमण के मामलों में मानव सीरम के विश्लेषण से पता चलता है कि टीके लगवाने वाले लोगों में दोनों वायरस की वजह से कारगर निष्प्रभावीकरण हुआ। इस खोज का अर्थ यह है कि वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले व्यक्ति ओमीक्रोन या डेल्टा से संक्रमित होने के बाद दूसरे स्ट्रेन या वेरिएंट के खिलाफ इम्यून सुरक्षा हासिल कर लेते हैं। डेल्टा वेरिएंट वैक्सीन ले चुके लोगों को दोबारा संक्रमित कर सकता है लेकिन उसका संक्रमण ओमीक्रोन की तुलना में कम स्तर पर होता है। वैक्सीन निर्माता कोरोना वायरस के विभिन्न वेरिएंट्स के खिलाफ इम्यून रिस्पांस उत्पन्न करने के लिए 'मल्टीवेलेंट वैक्सीन' बनाना चाहते हैं। ओट और उनकी टीम का ख्याल है कि उनकी खोज इस तरह की समग्र वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में मदद कर सकती है। यदि इस वैक्सीन में ओमीक्रोन और डेल्टा आधारित इम्यून रिस्पांस को समाहित किया जाए तो वह अनेक वेरिएंट्स के खिलाफ व्यापक इम्यूनिटी प्रदान कर सकती है। इस बीच, एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि एक कोरोना वायरस वैक्सीन दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यह महत्वपूर्ण खोज अमेरिका की नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने की है। उन्होंने पहली बार यह पता लगाया है कि कोविड फैलाने वाले कोरोना वायरस से बचाव के लिए विकसित वैक्सीन और कोरोना वायरस के पिछले संक्रमण इसी तरह के दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ विस्तृत इम्यूनिटी प्रदान कर सकती है। यह खोज एक यूनिवर्सल कोरोना वायरस वैक्सीन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। यूनिवर्सल वैक्सीन वह होती है जो एक विशिष्ट वायरस परिवार की समस्त किस्मों और वेरिएंट से बचाव करने में सक्षम हो। इस तरह की वैक्सीन भविष्य में होने वाली महामारियों से निपटने में सहायक होंगी। नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक पाब्लो पेनालोजा-मैकमास्टर ने बताया कि इस अध्ययन से पहले यह बात स्पष्ट नहीं थी कि यदि कोई व्यक्ति एक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है तो क्या वह दूसरे कोरोना वायरसों से बच सकता है ? उन्होंने कहा कि हमारे अध्ययन ने यह दिखा दिया है कि ऐसा हो सकता है। यह अध्ययन हाल में जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। कोरोना वायरस के मुख्य तीन परिवार मनुष्यों में रोग फैलाते हैं। ये हैं सरबिकोवायरस, एंबिकोवायरस और मर्बिकोवायरस। सरबिकोवायरस में सार्स-कोव-1 और सार्स-कोव- 2 शामिल हैं। सार्स -कोव-1 ने 2003 में सार्स (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) बीमारी फैलाई थी जबकि सार्स-कोव-2 वर्तमान कोविड महामारी के लिए जिम्मेदार है। एंबिकोवायरस में ओसी 43 वायरस शामिल है, जिसकी वजह से सामान्य सर्दी-जुकाम होता है। मर्बिकोवायरस मेर्स बीमारी (मिडल इस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) के लिए जिम्मेदार है जो 2012 में फैली थी। अध्ययन से पता चला कि कोविड वैक्सीन लगवा चुके लोगों के प्लाज्मा द्वारा उत्पन्न एंटीबॉडीज ने सार्स कोव-1 वायरस और सामान्य सर्दी-जुकाम फैलाने वाले कोरोना वायरस ओसी 43 के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान की। अध्ययन में यह भी पता चला कि सार्स-कोव-1 वैक्सीन चूहों को लगाने पर उन्होंने जो इम्यून रिस्पांस उत्पन्न किया उससे उन्हें सार्स-कोव-2 से भी सुरक्षा मिली। शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि कोरोना वायरस के पिछले संक्रमण दूसरे कोरोना वायरसों के नए संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। जिन चूहों को कोविड-19 वैक्सीन दी गई ,उन्हें बाद में सामान्य सर्दी - जुकाम के कोरोना वायरस ओसी 43 से एक्सपोज किया गया। इस वायरस से चूहों का आंशिक बचाव ही हो पाया। वैज्ञानिकों के अनुसार इसकी मुख्य वजह यह है कि सार्स- कोव-1 और सार्स- कोव-2 वायरस आनुवंशिक दृष्टि से समान हैं लेकिन सामान्य सर्दी-जुकाम का वायरस सार्स-कोव-2 वायरस से काफी भिन्न है। अब एक बड़ा सवाल यह है कि क्या एक यूनिवर्सल कोरोना वायरस का विकास संभव है? शोधकर्ताओं का कहना है कि प्रत्येक कोरोना वायरस परिवार के भिन्न होने के कारण इस तरह की वैक्सीन बनाना संभव नहीं है लेकिन प्रत्येक कोरोना वायरस परिवार के लिए एक अलग वैक्सीन बनाने की दिशा में काम किया जा सकता है। मसलन, सार्स-कोव-1 और सार्स-कोव-2 से निपटने के लिए एक पृथक आनुवंशिक वैक्सीन बनाई जा सकती है। इसी तरह सामान्य सर्दी-जुकाम फैलाने वाले वायरस परिवार के लिए एक अलग वैक्सीन बन सकती है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मैंने खौफ को भरोसे में तब्दील किया

माहा आब्दो, ऑस्ट्रेलियाई मानवाधिकारवादी

वह 1960 का दशक था। लेबनान अराजकता की ओर बढ़ चला था। जॉर्डन में मिली शिकस्त से निराश बहुतेरे फलस्तीनी लड़ाके लेबनान चले आए थे और वे वहीं से इजरायल पर हमलावर थे। माहा आब्दो ने उसी दौर में त्रिपोली में अपनी आंखें खोलीं। सूफी संतों की सोहबत से रोशन समाज के हालात बिगड़ते जा रहे थे। माहा के पिता काफी बेचैन थे कि इस सूरते-हाल में वह कैसे अपने परिवार और बच्चों को अच्छी जिंदगी दे सकेंगे? सुकून भरी जिंदगी की तलाश अंतत- उन्हें ऑस्ट्रेलिया ले आई थी। वहां सरकारी ठेके में काम भी मिल गया था। लेकिन अगले कई महीने वह इसी ऊहापोह में रहे कि परिवार को ले आएं या नहीं? चंद साल पहले ही 'ह्वाइट ऑस्ट्रेलिया पॉलिसी' हटी थी, जो गैर-यूरोपीय लोगों को वहां आने से रोकती थी। फिर दोनों मुल्कों की तहजीब और जुबान में भी काफी फर्क था। उनके बीवी-बच्चे अरबी और फ्रेंच तो बोले सकते थे, पर ऑस्ट्रेलिया में अंग्रेजी के बिना संवाद का भारी संकट था। लेकिन लेबनान को हिंसक दौर के मुहाने पर देखते हुए जून 1970 में वह परिवार को सिडनी ले आए। माहा तब बमुश्किल 12 साल की थीं। फ्रेंच तो वह फर्राटेदार बोल लेती थीं, पर अंग्रेजी से कोई पहचान नहीं थी। फिर उस दौर का ऑस्ट्रेलिया बाहरी लोगों के प्रति बड़ा अनुदार था। भाषाई परेशानी का तजुर्बा माहा को जल्द ही हो गया। उन्हें रैंडविक गर्ल्स हाईस्कूल में दाखिला मिल गया था। दयालु अंग्रेज प्रिंसिपल ने आश्वस्त भी किया कि वह तीन महीने में ही अंग्रेजी फर्राटेदार बोलने लगेंगी, पर माहा को तो उस वक्त यह पहाड़ तोड़ने-सा काम लगा।

पहली कक्षा गणित की मिली। बच्चे एक जटिल सवाल हल करने में जुटे थे। माहा को लगा, यह प्रश्न वह आसानी से हल कर सकती हैं। उन्होंने अंग्रेजी न जानते हुए भी अपना हाथ उठाया और शिक्षक का इशारा पाकर बोर्ड पर पहुंच उसे आसानी से हल कर दिया। सवाल हल करने का उनका तरीका बहुत सरल था, लेकिन पूरी कक्षा के बच्चे एक साथ बोल पड़े- यह अंग्रेजी तो बोल नहीं सकती, फिर सवाल कैसे सुलझा सकती है? उस वक्त शिक्षक ने माहा के मनोबल को थामा और बच्चों को जो जवाब दिया, वह एक भयभीत खड़ी किशोरी के लिए जीवन का सूत्र-वाक्य बन गया- 'अगर कोई अंग्रेजी बोल नहीं सकता, तो इसका यह कतई अर्थ नहीं कि उसका दिमाग समस्याओं को सुलझा नहीं सकता।' उस प्रोत्साहन से माहा के आत्मविश्वास को भरपूर मजबूती मिली थी। अंग्रेजी न बोलने वाले लड़के-लड़कियों पर स्थानीय सहपाठी खूब रंगभेदी फब्तियां कसते, लेकिन माहा दरगुजर कर देतीं। पिता उन्हें अक्सर कहते, हम अपनी जड़ों से उखड़े हुए लोग हैं, अपने परिश्रम और अच्छे आचरण के सहारे हमें यहां की मिट्टी से घुलना-मिलना है। माहा को वह यह भी समझाते कि अगर कोई इल्म आपने हासिल किया है, तो उसे दूसरों से बांटो, क्योंकि इसी तरह वह जिंदा रह सकेगा। माहा के पिता सिडनी में लेबनानी समुदाय को मान्यता दिलाने और उसके बेहतर भविष्य के लिए खूब मेहनत करते, लेकिन माहा को उस वक्त ऐसी गतिविधियों में कोई दिलचस्पी नहीं थी। पर बैंक्सटाउन टेक्निकल कॉलेज से ग्रेजुएट माहा को शादी और बच्चों के जन्म के बाद लगने लगा कि ऑस्ट्रेलियाई मुस्लिम महिला के रूप में अपनी पहचान बनाने के लिए उन्हें कुछ जरूर करना चाहिए। घरेलू हिंसा और शरणार्थी मुस्लिम महिलाओं से जुड़ी खबरें उन्हें प्रेरित करती रहतीं कि वह उनके लिए कुछ करें। अपनी किशोरावस्था में जिन मुश्किलों से वह गुजर चुकी थीं, उसे ध्यान में रखते हुए माहा बच्चियों की समस्याओं को सुनने व उनको दूर करने के लिए सन 1988 में 'मुस्लिम वुमन्स एसोसिएशन'से जुड़ गईं। वह पहली मुस्लिम महिला हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया में इस समुदाय के लिए 'लीडरशिप वर्कशॉप' का आयोजन किया। साल 1992 में उन्होंने 28 लड़कियों के साथ कार्यशाला शुरू की थी, जो दो साल में ही प्रतीक्षा सूची वाली स्थिति में पहुंच गई। माहा को रास्ता मिल गया था। उन्होंने इस समुदाय की जरूरतों के हिसाब से संगठन के दायरे का विस्तार कराया। सिडनी के अंदर और बाहर मुसलमान औरतों की मदद के लिए, खासकर घरेलू हिंसा की शिकार सैकड़ों त्रियों की सहायता के लिए उन्होंने कई कदम उठाए। आगे चलकर उसमें बुजुर्गों एवं नौजवानों की मदद वाले प्रकोष्ठ भी खुले। 9/11 के बाद दुनिया जब 'इस्लामोफोबिया' से सिहर उठी थी, तब माहा ने ऑस्ट्रेलिया में विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल बनाने का बड़ा काम किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में मुस्लिम औरतों के हिजाब पहनने के हक की सफल लड़ाई भी लड़ी। आज वह विभिन्न संस्कृतियों की औरतों की सबसे मुखर आवाज हैं। न्यू साउथ वेल्स सूबे ने 2014 से उन्हें अपना मानवाधिकार दूत बना रखा है, तो सिडनी ने उन्हें 2021 की 'अनसंग हीरो' यानी गुमनाम नायिका चुना है। प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह

सू-दोकू नवताल -2033

	4	1	3					
	6		9		4	1		5
3		9			2		7	
	1	5	7		3	4		
		2	8		6	7	9	
	7		1			3		2
8		3	4		7		1	
					8	9	4	

सू-दोकू 2032 का हल

6	8	9	1	5	7	4	2	3
1	7	2	4	6	3	9	8	5
4	3	5	9	8	2	6	7	1
8	6	1	2	7	9	3	5	4
7	2	4	5	3	6	1	9	8
5	9	3	8	1	4	2	6	7
3	5	6	7	2	1	8	4	9
9	1	7	6	4	8	5	3	2
2	4	8	3	9	5	7	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2033

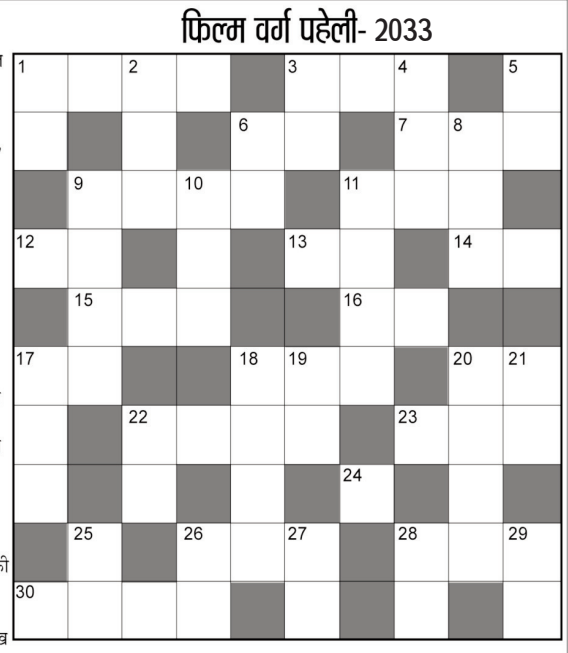

बायें से दायें:-

1. रनबीर कपूर, सोनम कपूर की 'जब से तेरे नैना' गीत वाली फिल्म-4
3. 'हम तुम्हें चाहते हैं ऐसे' गीत वाली फिरोज खान,जीनतअमान की फिल्म-3
6. मनोज कुमार, बबीता की 'एक हसीना लगा है जिसको' गीत वाली फिल्म-2
7. धर्मेन्द्र (डबल रोल), शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-3
9. 'ये काली काली आंखें' गीत वाली फिल्म-4
11. 'आ जाओ आ भी जाओ' गीत वाली किरण झंझानी, तारा शर्मा, नवनीत कौर की फिल्म-3
12. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा जुल्का, दिव्या भारती की 'तेरी मुहब्बत ने दिल में' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-2
14. फिल्म 'चाची 420' में कमल हासन के साथ नायिका-2
15. 'बेबसी दर्द का आलम' गीत वाली अमिताभ, सलमान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की फिल्म-3
16. 'आधी रात को आंख खुली' गीत वाली फिल्म-2
17. 'जल रहा है बदन' गीत वाली राज सोलंकी, सिद्धार्थ कोइराला, हिना रहमान, पायल की फिल्म-2
18. राजकुमार अभिनीत 'तेरा जलवा जिसने देखा' गीत वाली फिल्म-3
20. 'सपने में मिलती है' गीत वाली उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
22. गोविंदा, दिव्या भारती, 'दिल तो खोया है यहीं पे' गीत वाली फिल्म-4
23. अक्षयकपूर, दीयामिर्जा की फिल्म-3
24. गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की 'काश होले होले तू मेरा होले' गीत वाली फिल्म-1
26. फिल्म 'नूरी' में फारूख शेख के साथ नायिका कौन थी-3
28. राहुल राय, दीपक तिजोरी की 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
30. गोविंदा, मनीषा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. आदित्य पंचोली, मोहसिनखान, वर्षा की फिल्म-2
2. 'पंछी नदिया पवन के झोंके' गीत वाली फिल्म-3
3. अमिताभ, रति अग्निहोत्री, वहीदा रहमान की फिल्म-2
4. शशि कपूर, जीतेंद्र, राकेश रोशन, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-3
5. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
6. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-2
8. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षयकुमार, सैफ अली, रवीनाटंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-3
9. 'चली चली फिर चली चली' गीतवाली फिल्म-4
10. सुनील दत्त, मीना कुमारी की फिल्म-3
11. 'देखा एक ख्वाब तो' गीत वाली फिल्म-4
17. 'ये तेरी आंखें झुकी झुकी' गीत वाली फिल्म-3
18. संजीव कुमार, सुलक्षणा पंडित की 'सुबह और शाम काम ही काम' गीत वाली फिल्म-4
19. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली अजय , ट्विंकल की फिल्म-2
20. फिल्म 'सनम बेवफा' में नायक-4
21. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कोरे कागज पे लिखवा ले' गीत वाली फिल्म-2
22. 'इस मोड़ से जाते हैं' गीत वाली संजीव कुमार, सुचित्रा सेन की फिल्म-2
25. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद के साथ नायिका-2
26. फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' में आमिर के साथ नायिका-2
27. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की 'आसमान कहता है रब से' गीतवाली फिल्म-2
28. 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली जैकी, रति अग्निहोत्री की फिल्म-2
29. अजय, आफताब, विवेक, रितेश देशमुख, लारा, अमृता राव, तारा शर्मा, जेनीलिया की 'दिल दे दिया है' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2032

सं	डे		आ	नं	द		वि	वा	ह
बं		जा	न		रा	ज		दा	सी
ध	मा	ल		अ	र	मा	न		ना
	धु		सौ	दा		ना		दी	
क	री	ब		ल	की		म	वा	ली
ला		सं	गी	त		ज	ह	र	
बा	रा	त			स	वा	ल		प्रे
ज			म	ह	बू	ब		धू	म
	षा	की	जा		त		सु		गी
गो	पी		ल	क्ष्य		ब	र	सा	त

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडसइंड बैंक का मुनाफा 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । इंडसइंड बैंक ने बताया कि दिसंबर 2021 को समाप्त तिमाही में उसका एकीकृत मुनाफा 50 प्रतिशत बढ़कर 1,241.55 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में बैंक को 830.41 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। इंडसइंड बैंक ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि वर्ष 2021-22 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि के दौरान बैंक की कुल आय एक साल पहले के 8,887.28 करोड़ रुपए के मुकाबले बढ़कर 9,614.34 करोड़ रुपए हो गई। हालांकि इस ऋणदाता बैंक ने अपनी संपत्ति की गुणवत्ता में गिरावट देखी क्योंकि सकल गैर-निष्पादित आस्ति (एनपीए) दिसंबर 2020 तक के 1.74 प्रतिशत से बढ़कर 31 दिसंबर, 2021 तक सकल अग्रिम का 2.48 प्रतिशत हो गई। दिसंबर 2020 तक एनपीए 0.22 प्रतिशत के मुकाबले 0.71 प्रतिशत रहा।

एयरटेल ने किया साफ, गूगल के साथ स्मार्टफोन बनाने की कोई योजना नहीं

मुंबई । भारती एयरटेल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल विट्टल ने कहा कि एयरटेल की गूगल के साथ स्मार्टफोन बनाने की कोई योजना नहीं है, लेकिन वे अपनी रणनीतिक साझेदारी के हिस्से के रूप में यूजर्स के बीच स्मार्टफोन अपनाने को बढ़ाने की दिशा में काम करेगा, जो बदले में एवरेज रेवेन्यू पर यूनिट- एआरपीयू को बढ़ाएगी।उन्होंने कहा कि वे एआरपीयू पर जोर देना जारी रखेगा, क्योंकि हम यह भी जानते हैं कि प्रत्येक स्मार्टफोन यूजर्स को एआरपीयू में एक महत्वपूर्ण उछाल मिलता है, जो हमारे एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य एआरपीयू के स्तर को 200 रुपये तक बढ़ाना है। और लॉन्ग टर्म में इस 300 रुपये तक ले जाना है।वर्तमान में यह 153 के स्तर पर है। उन्होंने कहा, हमारे पास अपना उपकरण (स्मार्टफोन) बनाने की कोई योजना नहीं है, बल्कि फीचर फोन से स्मार्ट को अपनाने में तेजी लाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में भागीदार बनने का इरादा है।विट्ठल ने कहा कि हमारे द्वारा हमेशा उल्लेख किया है कि हम सब्सिडी को लेकर इच्छुक नहीं हैं, लेकिन हम बाजार में प्रतिस्पर्धी होने जा रहे हैं,इसकारण जहां भी कोई प्रोत्साहन दिया जाना है, उसके आधार पर सॉफ्टवेयर क्षमता विकसित की है ताकि वास्तव में तकनीक और स्मार्ट बनें और उस की आर्थिक लागत को कम करें। बता दें कि शुक्रवार को ग्लोबल टेक जाएंट गूगल और भारतीय टेलीकॉम सेवा कंपनी भारती एयरटेल ने रणनीतिक साझेदारी के तहत हाथ मिलाया। इस साझेदारी के तहत गूगल अब एयरटेल में 1.28 फीसदी हिस्सा खरीदेगा. गूगल ने कहा है कि वह भारती एयरटेल में 1 अरब डॉलर यानी करीब 7500 करोड़ रुपये का निवेश करेगा।गूगल यह निवेश गूगल फॉर इंडिया डिजिटाइजेशन फंड के हिस्से के तौर पर कर रही है।

आरबीआई ने इंडियन मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली । लखनऊ के इंडियन मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड को बड़ा झटका लगा है।दरअसल, आरबीआई ने इंडियन मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड पर एक लाख रुपये की निकासी सीमा सहित कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। आरबीआई के अनुसार ये प्रतिबंध 28 जनवरी, 2022 (शुक्रवार) को व्यावसायिक समय के बाद से प्रभावी हो गए हैं। आरबीआई ने शुक्रवार को कहा कि लखनऊ स्थित कोऑपरेटिव बैंक बिना उसकी मंजूरी के कोई कर्ज, अग्रिम प्रदान या नवीनीकृत जारी नहीं करेगा और न ही कोई निवेश नहीं कर सकेगा। आरबीआई ने कहा कि बैंक के किसी जमाकर्ता को सेविंग, करंट या अन्य अकाउंट्स में मौजूद कुल शेष राशि में से एक लाख रुपये से अधिक की राशि को निकालने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि केंद्रीय बैंक ने कहा कि इन निषेधात्मक निर्देशों को आरबीआई द्वारा बैंकिंग लाइसेंस को रद्द करने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।हाल ही में आरबीआई ने 8 कोऑपरेटिव बैंकों पर नियामकीय अनुपालन में कमियों के लिए जुर्माना लगाया गया है।आरबीआई ने कहा था कि एसोसिएट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, सूरत (गुजरात) पर 4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष योजना, 2014 के कुछ मानदंडों के उल्लंघन के लिए वराछा सहकारी बैंक लिमिटेड, सूरत पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के दायरे में आई एयर इंडिया

लगभग 7,453 कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान किया जाएगा

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ, पेंशन और बीमा जैसे सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्राप्त करने के` लिए `विमानन कंपनी एयर इंडिया को भी शो मिल कर` लिया है। इस विमानन कंपनी से दिसंबर महीने में लगभग 7,453 कर्मचारियों के लिए योगदान प्राप्त किया है। श्रम मंत्रालय ने कहा कि एयर इंडिया ने ईपीएफओ सुविधा के लिए उसके पास आवेदन किया था और उसे अनुमति दे दी गई है। कर्ज में डूबी इस एयरलाइन का अधिग्रहण टाटा समूह ने किया है। एयर इंडिया ने ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952 की धारा 1(4) के तहत स्वेच्छा से सुरक्षा कवच लेने के लिए आवेदन किया है, जिसमें 13 जनवरी, 2022 को गजट अधिसूचना के तहत एक दिसंबर, 2021 से अनुमति दी गई थी। बयान के मुताबिक लगभग 7,453 कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान किया जाएगा। इन कर्मचारियों के लिए दिसंबर 2021 के महीने का योगदान, ईपीएफओ में एयर इंडिया द्वारा दिया गया है। एयर इंडिया के ये कर्मचारी अब कई लाभों के हकदार होंगे। उन्हें अपने भविष्य निधि (पीएफ) खातों में उनके वेतन के 12 प्रतिशत पर अतिरिक्त 2 प्रतिशत नियोक्ता योगदान प्राप्त होगा। पहले वे 1925 के पीएफ अधिनियम के तहत आते थे, जहां पीएफ में योगदान नियोक्ता द्वारा 10 प्रतिशत और कर्मचारी द्वारा 10 प्रतिशत का था। ईपीएफ योजना 1952, ईपीएस 1995 (कर्मचारी पेंशन योजना) और ईडीएलआई 1976 (समूह बीमा) अब इन कर्मचारियों पर लागू होंगे। कर्मचारियों को 1,000 रुपए प्रति माह की गारंटी न्यूनतम पेंशन और कर्मचारी की मृत्यु के मामले में परिवार और आश्रितों को पेंशन उपलब्ध होगी।सदस्य की मृत्यु के मामले में एक सुनिश्चित बीमा लाभ न्यूनतम 2.50 लाख रुपए और अधिकतम 7 लाख रुपए की सीमा में उपलब्ध होगा। इस लाभ के लिए ईपीएफओ कर्मचारियों से कोई प्रीमियम नहीं लेता है। मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 1952-53 से, एयर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस दो अलग-अलग कंपनियां थीं, जिन्हें पीएफ अधिनियम, 1925 के तहत कवर किया गया था। वर्ष 2007 में, दोनों कंपनियों का एक कंपनी एयर इंडिया लिमिटेड में विलय हो गया था। पीएफ अधिनियम, 1925 के तहत, भविष्य निधि का लाभ उपलब्ध था लेकिन कोई वैधानिक पेंशन योजना या बीमा योजना नहीं थी।

एनटीपीसी का तीसरी तिमाही में मुनाफा 4,626 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादन कंपनी एनटीपीसी ने शनिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 19 फीसदी बढ़कर 4,626.11 करोड़ रुपए हो गया। एनटीपीसी ने बीएसई को भेजी गई सूचना में कहा कि अक्टूबर-दिसंबर 2020 में उसका समेकित शुद्ध लाभ 3,876.36 करोड़ रुपए रहा था।अक्टूबर-दिसंबर 2021 की तिमाही में एनटीपीसी की कुल आय 33,783.62 करोड़ रुपए रही जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह आंकड़ा 28,387.27 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी के निदेशक मंडल की शनिवार को हुई बैठक में तिमाही नतीजों को मंजूरी दी गई। इस बैठक में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 10 रुपए के चुकता इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य पर प्रति शेयर चार रुपए का अंतरिम लाभांश देने का भी फैसला लिया गया।बिजली क्षेत्र की कंपनी का दिसंबर 2021 तिमाही में सकल बिजली उत्पादन 72.70 अरब यूनिट रहा जबकि दिसंबर 2020 तिमाही में यह 65.41 अरब यूनिट रहा था। तीसरी तिमाही में एनटीपीसी के कोयला-आधारित संयंत्रों का क्षमता उपयोग 67.64 फीसदी रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 64.31 फीसदी रहा था। एनटीपीसी समूह की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 31 दिसंबर 2021 को बढ़कर 67,757.42 मेगावाट हो गई जबकि एक साल पहले यह 62,975 मेगावाट थी।

टोयोटा की दो किफायती बजट एसयूवी की हो रही जमकर खरीदारी, बना कीर्तिमान

नई दिल्ली।

जापान की लग्जरी कार बनाने वाली कंपनी टोयोटा अपनी दो एसयूवी को लेकर चर्चा में है। हाल ही में टोयोटा दुनिया की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन गई है। पिछले साल 2021 में कई देशों में इसकी कारों की बिक्री का आंकड़ा सबसे ज्यादा रहा। टोयोटा को मारुति सुजुकी के साथ पार्टनरशिप का बड़ा फायदा मिला है। कंपनी की टोयोटा ग्लेंजा और टोयोटा अरबन क्रूसर को ग्राहकों का जबरदस्त रिप शानदार प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी ने एक प्रेस रिलीज के जरिए बताया कि इन दोनों गाड़ियों की कुल मिलाकर 1 लाख से ज्यादा यूनिट्स की थोक बिक्री हुई है। बता दें कि दोनों ही गाड़ियों को मारुति सुजुकी के साथ पार्टनरशिप के तहत लाया गया था। टोयोटा ने ग्लेंजा की 65,000 से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री करने में कामयाबी हासिल की है और अरबन क्रूसर की 35,000 से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री की है। कंपनी ने कहा कि ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर ने मिलकर पहली बार टोयोटा के 66 फीसदी खरीदारों, खासकर टियर 2 और 3 बाजारों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। टोयोटा ने ग्लेंजा को 2019 में भारत में लॉन्च किया था। भारत में इसकी एक्स-शोरूप कीमत 7.49 लाख रुपये से शुरू होती है। टोयोटा ग्लैंजा को दो वेरिएंट में बाजार में उतारा है। ग्लैंजा, टोयोटा और सुजुकी की पार्टनरशिप का पहला प्रॉडक्ट है। टोयोटा ग्लैंजा का दोनों वेरिएंट में मैन्युअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का ऑप्शन उपलब्ध है। ग्लैंजा के वी वेरिएंट के मैन्युअल मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 7.58 लाख रुपये है। वहीं, वी वेरियंट के ऑटोमैटिक मॉडल की कीमत 8.90 लाख रुपये है, जबकि जी वेरिएंट की कीमत 8.29 लाख रुपये है।

टोयोटा अरबन क्रूसर सबकॉम्पैक्ट एसयूवी को 2020 में भारत में लॉन्च किया गया था। कंपनी ने कार को तीन वेरियंट्स मिड, हाई, प्रीमियम में लॉन्च किया था। तीनों ही वेरियंट मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में आते हैं। मिड वेरियंट के मैनुअल ट्रांसमिशन की कीमत 8.63 लाख रुपये और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की कीमत 9.80 लाख रुपये से शुरू होती है। अर्बन क्रूजर में भी मारुति सुजुकी विटारा ब्रेजा की तरह 1.5 लीटर, 4 सीलिंडर पेट्रोल इंजन दिया गया है। यह इंजन 103 बीएचपी की पावर और 138एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है, जो 5-स्पीड मैनुअल और 4 स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन (एटी) के साथ आता है।

एफपीआई ने 28,243 करोड़ रुपए के शेयर बेचे

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 28,243 करोड़ रुपए निकाले हैं। अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी का संकेत दिया है जिसके चलते एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। इसी अवधि में उन्होंने ऋण या बांड बाजार में 2,210 करोड़ रुपए और हाइब्रिड उत्पादों में 1,696 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह उनकी शुद्ध निकासी 24,337 करोड़ रुपए रही है। यह लगातार चौथा महीना रहा है जबकि एफपीआई भारतीय बाजारों में शुद्ध बिकवाल रहे हैं। बताया जा रहा है कि फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह जल्द नीतिगत दरें बढ़ाना शुरू करेगा और बांड में हिस्सेदारी घटाएगा। इसी के चलते एफपीआई भारतीय बाजारों में बिकवाली कर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि एफपीआई आईटी शेयरों में मुनाफा काट रहे हैं। वहां वे काफी मुनाफे पर बैठे हैं। आईटी शेयरों में पिछले दो साल में काफी उछाल आया है। एफपीआई की बिकवाली से वित्तीय कंपनियों विशेष रूप से बैंकों के शेयरों के दाम घटे हैं। उनका कहना है कि अन्य उभरते बाजारों मसलन दक्षिण कोरिया, ताइवान और फिलिपीन से एफपीआई ने क्रमशः 2.77 अरब डॉलर, 2.5 अरब डॉलर और 5.6 करोड़ डॉलर की निकासी की है।

रिलायंस की ग्रीन एनर्जी योजना से हाइड्रोजन उत्पादन का हब बन सकता है भारत!

रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ग्रीन एनर्जी में कर सकते हैं 75 अरब डॉलर का निवेश

मुंबई ।

सरकार ने देश में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए महत्वाकांक्षी योजना बनाई है लेकिन इसे सफल बनाने में मुकेश अंबानी और गौतम अडानी जैसे उद्योगपतियों की भूमिका अहम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की ग्रीन एनर्जी योजना से भारत हाइड्रोजन के उत्पादन में हब बनकर उभर सकता है। एशिया के सबसे बड़े रईस और रिलायंस के चेयरमैन अंबानी ने ग्रीन एनर्जी में 75 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। जानकारों का कहना है कि कंपनी हाइड्रोजन पर जोर दे सकती है। ग्रीन हाइड्रोजन पानी और क्लीन इलेक्ट्रिसिटी से बनती है और इसे भविष्य का ईंधन कहा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल भारत को ग्रीन एनर्जी के उत्पादन और एक्सपोर्ट का हब बनाने के लिए एक योजना की घोषणा की थी। हालांकि रिलायंस ने अभी इस बात का खुलासा नहीं किया है कि 75 अरब डॉलर के निवेश में से कितना हिस्सा हाइड्रोजन के लिए होगा। अडानी एंटरप्राइजेज, एनटीपीसी और आईओसी ने भी ग्रीन हाइड्रोजन के लिए योजना बनाई है। हाइड्रोजन के लिए योजना बनाने वाले देशों की संख्या एक साल में दोगुना होकर 26 हो गई है। माना जा रहा है कि भारत, ब्राजील, अमेरिका और चीन के प्लान ग्लोबल मार्केट में तहलका मचा सकते हैं लेकिन अभी यह सेक्टर एक्सपेरीमेंटल चरण में है और इसे कमर्शियली व्यावहारिक बनने में समय लगेगा। भारत की उम्मीदें पूरी तरह अंबानी और अडानी पर टिकी हैं। इसमें सबसे बड़ी चुनौती उत्पादन लागत में कमी लाना है। अंबानी ने एक डॉलर प्रति किलो के भाव पर ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का लक्ष्य रखा है। यह इसकी मौजूदा लागत से 60 फीसदी कम है। अंबानी ने पिछले साल कहा था कि रिलायंस इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए आक्रामकता के साथ आगे बढ़ रही है। भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन में रिफाइनरीज के डायरेक्टर रहे आर रामचंद्रन ने कहा कि कोई नहीं जानता कि हम वहां पहुंच सकते हैं या नहीं। अगर रिलायंस सफल होती है तो इसमें अच्छी संभावना है। अगर वह इसमें नाकाम रहती है तो फिर सरकारी सब्सिडी की जरूरत पड़ सकती है। सरकार की अगले कुछ दिनो में पहली ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी जारी करने की योजना है। ग्रीन एनर्जी के लिए रिलायंस गुजरात में जगह खोज रही है। उसने कच्छ में राज्य सरकार से 450,000 एकड़ जमीन मांगी है।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंप नियों मे से नौ का बाजार पूंजीकरण तीन लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि शेयर बाजारों में जबर्दस्त बिकवाली के बीच नौ कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में 3,09,178.44 करोड़ रुपए की गिरावट आई। भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक स्तर पर बाजारों में बिकवाली से स्थानीय शेयर बाजार भी नीचे आए। बीते सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण बढ़ा। सप्ताह के दौरान एसबीआई की बाजार हैसियत 18,340.07 करोड़ रुपए बढ़कर 4,67,069.54 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर` लिमिटेड, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। रिलायंस का बाजार पूंजीकरण 96,512.22 करोड़ रुपए घटकर 15,79,779.47 करोड़ रुपए पर आ गया। सबसे अधिक नुकसान में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 53,488.29 करोड़ रुपए के नुकसान से 13,65,042.43 करोड़ रुपए रह गया।

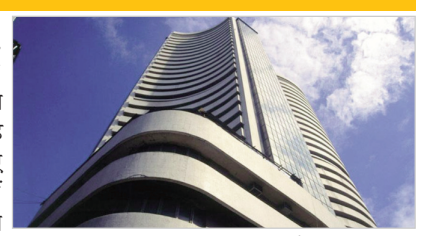

इन्फोसिस की बाजार हैसियत 42,392.63 करोड़ रुपए घटकर 7,08,751.77 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक की 31,815.01 करोड़ रुपए घटकर 8,11,061.12 करोड़ रुपए पर आ गई। बजाज फाइनेंस का बाजार मूल्यांकन 30,333.64 करोड़ रुपए घटकर 4,14,699.49 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का 16,291.53 करोड़ रुपए टूटकर 5,42,407.86 करोड़ रुपए रह गया। भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में 15,814.77 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 3,93,174.23 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 13,319.96 करोड़ रुपए घटकर 4,56,102.42 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर की 9,210.39 करोड़ रुपए घटकर 5,36,411.69 करोड़ रुपए रह गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

खाने के तेल की कीमतों में बढ़त का रुख रहा

- सरसों के तेल में उतार-चढ़ाव जारी

नई दिल्ली । दिल्ली बाजार में शनिवार को तेल तिलहनों की कीमतों में सुधार का रुख देखा गया। कच्चा पामतेल (सीपीओ) की लिवाली न होने के बावजूद मलेशिया में इसके भाव रिकॉर्ड स्तर पर बने हुए हैं। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार में सीपीओ के लिवाल बेहद कम हैं क्योंकि पामोलीन तेल (रिफाइंड) के आयात शुल्क में कमी किए जाने के बाद इसके भाव सीपीओ के करीब हो गए हैं। ऐसे में कोई भी सीपीओ का आयात नहीं कर रहा क्योंकि उस पर सीपीओ के प्रसंस्करण में अलग से खर्च आएगा। दूसरी ओर पामोलीन कहीं सस्ते में बाजार में उपलब्ध है तो ऐसी स्थिति में कोई सीपीओ नहीं खरीदना चाह रहा। बाजार में परस्पर समूह बनाकर कारोबार को संचालित किए जाने की बात से इनकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि भाव जबरन अधिक बने हुए हैं। जानकारी के मुतो बिक मलेशिया में भारी सट्टेबाजी का माहौल है और वहां शुक्रवार को सीपीओ के भाव 3.5 प्रतिशत मजबूत हुए हैं जबकि लिवाली एकदम कम है। तेल कीमतों पर अंकुश लगाने और तेल आपूर्ति बढ़ाने के लिए भारत के द्वारा शुल्क घटाए गए जबकि उसके बाद मलेशिया में भाव में रिकॉर्ड वृद्धि कर दी गई है जबकि इस कृत्रिम तेजी वाले भाव पर लिवाल दूर दूर तक नजर नहीं आ रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक मलेशिया और इंडोनेशिया की मनमानी का उपभोक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ रहा है। सीपीओ का भाव सोयाबीन तेल से 100-150 डॉलर प्रति टन नीचे रहा करता था लेकिन अब सीपीओ का भाव सोयाबीन से लगभग 10 डॉलर प्रति टन अधिक चल रहा है।

नवंबर में कोयला आयात 22.5 प्रतिशत घटकर 57 लाख टन रहा

नई दिल्ली।

देश का कोयला आयात नवंबर, 2021 में एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में 22.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ एक करोड़ 57 लाख 80 हजार टन रहा है। कोयला एवं इस्पात के बारे में शोध रिपोर्ट प्रकाशित करने वाली कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज ने आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार देश के प्रमुख एवं अन्य बंदरगाहों पर कोयला और कोक का आयात नवंबर में 22.5 प्रतिशत नीचे आया है। एमजंक्शन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। यह एक बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी है जो कोयला और इस्पात क्षेत्र पर शोध रिपोर्ट भी प्रकाशित करती है। माह-दर-माह आधार पर तुलना की जाए, तो नवंबर, 2021 में देश का कोयले का आयात मामूली 0.21 प्रतिशत बढ़ा है। अक्टूबर, 2021 में कोयला आयात एक करोड़ 57 लाख 50 हजार टन रहा था। नवंबर में कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोयले का हिस्सा 89.3 लाख टन रहा। यह नवंबर, 2020 में 1.37 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 49 लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 42.8 लाख टन था। चालू वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों अप्रैल-नवंबर में कुल कोयला आयात 13.88 करोड़ टन रहा है जो एक साल पहले की समान अवधि के 13.71 करोड़ टन के मुकाबले 1.25 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-नवंबर के दौरान नॉन-कोकिंग कोयले का आयात 8.84 करोड़ टन रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 9.14 करोड़ टन से कम है। वहीं कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 3.54 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 2.81 करोड़ टन था।

टोयोटा के ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर का बिक्री आंकड़ा एक लाख के पार

नई दिल्ली ।

वाहन बनाने वाली कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने कहा कि उसके प्रीमियम हैचबैक ग्लैंजा और कॉम्पैक्ट एसयूवी अर्बन क्रूजर की थोक बिक्री का सम्मिलित आंकड़ा एक लाख इकाई के पार हो गया है। टीकेएम इन दोनों वाहनों को मारुति सुजूकी इंडिया के साथ साझेदारी में पेश करती है। इस समझौते के तहत कंपनी मारुति की बलेनो को ग्लैंजा और विटारा ब्रेजा को अर्बन क्रूजर के ब्रांड नाम से बाजार में बेच रही है।

टीकेएम ने कहा कि ग्लैंजा और अर्बन क्रूजर की सम्मिलित थोक बिक्री एक लाख इकाई से अधिक हो चुकी है। जून 2019 में पेश ग्लैंजा की अब तक 65,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री हुई है जबकि सितंबर 2020 में उतारी गई अर्बन क्रूजर की अब तक 35,000 से अधिक इकाइयां बिक चुकी हैं। टोयोटा किर्लोस्कर के एक अे धिकारी ने कहा ` कि इन दोनों मॉडल के जरिये कंपनी युवा ग्राहकों को एक बढ़िया अनुभव देने में सफल रही है। टीकेएम देश भर में फैले अपने 418 डीलर आउटलेट की मदद से ग्राहक आधार बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

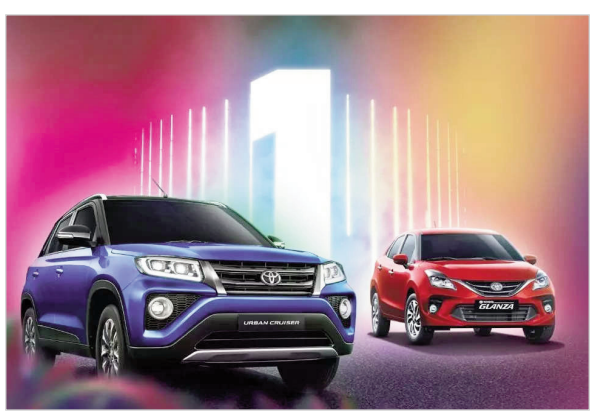

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुम्बई और अहमदाबाद में हो सकता है आईपीएल का आयोजन

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें संस्करण के मैच मुम्बई और अहमदाबाद में खेल जाने की संभावनाएं हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) लीग चरण के मैच महाराष्ट्र जबकि प्लेऑफ मैच अहमदाबाद में आयोजित करने के पक्ष में है। एक रिपोर्ट के अनुसार देश में जिस प्रकार कोरोना संक्रमण का खतरा कम हो रहा है उसको देखते हुए बीसीसीआई इस बार इन खेलों का आयोजन देश में ही चाहता है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल ही में कहा था कि आईपीएल मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होकर मई के अंत तक खेला जाएगा। अभी बीसीसीआई महाराष्ट्र में लीग चरण और अहमदाबाद में प्लेऑफ के आयोजन पर विचार कर रहा है। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि बीसीसीआई 27 जनवरी को अपने पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान आयोजन को लेकर कोई अंतिम फैसला ले सकता है। अभी मुंबई का वानखेड़े स्टेडियम, क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में ब्रेबोर्न स्टेडियम, नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे के पास गहुंजे में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम वह संभावित स्थान हैं जहां प्रतियोगिता का लीग-चरण आयोजित किया जाएगा। वहीं प्लेऑफ के मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है। इसके साथ ही बीसीसीआई लीग स्तर के मैचों में 25 फीसदी दर्शकों को अनुमति दे सकता है।

थाईलैंड को 7-0 से हराकर जापान एशियाई कप के सेमीफाइनल में, फीफा विश्व कप में बनाई जगह

नवी मुंबई ।

जापान ने रविवार को यहां थाईलैंड को 7-0 से हराकर मौजूदा एएफसी एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाते हुए 2023 फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। दो बार की गत चैंपियन टीम जापान की ओर से स्ट्राइकर युइका सुगासावा ने चार गोल दागे। वर्ष 1983 का चैंपियन थाईलैंड दो और चार फरवरी को होने वाले प्लेऑफ के जरिए ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में होने वाले फीफा विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है। टीम में कई खिलाड़ियों के कोविड-19 संक्रमित होने के कारण थाईलैंड की टीम में कई खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। जापान ने मैच की शुरुआत प्रबल दावेदार के रूप में की और फुतोशी इकेदा की टीम ने जल्द ही मैच में दबदबा बना लिया। शुरुआती दो प्रयास के बाद माना इवाबुची को पेनल्टी पर जापान को बढ़त दिलाने का मौका मिला लेकिन गोलकीपर वारापोर्न बूनसिंग ने उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। बूनसिंग ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन इसके बावजूद अपनी टीम को बड़ी हार से नहीं बचा पाई। सुगासावा ने 27वें मिनट में गत चैंपियन टीम को बढ़त दिलाई जिसके बाद हिनाता मियाजावा ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में स्कोर 2-0 किया। थाईलैंड की वापसी की उम्मीद दूसरे हाफ के तीसरे ही मिनट में टूट गइ जब सुमिदा ने जापान की ओर से तीसरा गोल दागा। तीन गोल से पिछड़ने का असर खिलाड़ियों पर दिखने लगा जो थकी हुई लग रही थी। फोनफिरुन फिलावन ने 64वें मिनट में सुगासावा को गिराया जिसके बाद जापान

को दूसरी पेनल्टी मिली जिसे उन्होंने खुद गोल में बदलकर स्कोर 4-0 किया। रिको उश्की ने 75वें मिनट में स्कोर 5-0 किया जबकि पांच मिनट बाद सुगासावा ने अपनी हैट्रिक पूरी की। सुगासावा ने 80वें मिनट में अपना चौथा और थाईलैंड की ओर से सातवां गोल करके टीम की आसान जीत सुनिश्चित की।

14 साल की उन्नति ने जीता ओडिशा ओपन

सुपर-100 टूर्नामेंट जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी बनीं

कटक ।

14 साल की उन्नति हुड्डा ने ओडिशा ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल खिताब जीता है। हरियाणा की उन्नति ने स्मित तोश्नीवाल को सीधे गेम में हराकर 56 लाख रूपए इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट को जीता है इसके साथ ही वह सुपर-100 टूर्नामेंट जीतने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्नति ने फाइनल में 21-18, 21-11 से जीत हासिल की। वहीं मिश्रित युगल फाइनल में भारत के ही एमआर अर्जुन और त्रीसा जॉली को श्रीलंका के सचिन डायस और थिलिनी हेंडाहेवा ने आधे घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 16-21, 20-22 से हराया। उन्नति ने स्मित के खिलाफ केवल 35 मिनट में जीत दर्ज की थी। स्मित ने इससे पहले सेमीफाइनल में अश्मिता चालिहा को 21-19, 10-21, 21-17 से हराकर सबको हैरान कर दिया था। खिताबी मुकाबले में उन्नति ने पहले गेम में जीत के साथ ही वापसी की , वहीं दूसरे गेम में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्नति की लय के सामने स्मित टिक नहीं पायीं। उन्नति को इस जीत पर मुक्केबाज अमित पंघाल ने भी बधाई दी है।

FIH Pro League में हाल के प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे - भारतीय कोच और कप्तान

मस्कट = भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानिक शोपमैन और कप्तान सविता ने शुक्रवार को कहा कि उनकी टीम जब एफआईएच प्रो लीग में पदार्पण करेगी तो उसका लक्ष्य एशिया कप के हाल के प्रदर्शन को ही आगे बढ़ाना होगा जिसमें उसने कांस्य पदक जीता था। भारत ने एशिया कप में तीसरे स्थान के मैच में चीन को हराकर कांस्य पदक जीता था और एफआईएच प्रो लीग में वह अपना पहला मैच इसी टीम के खिलाफ खेलेगा। भारत को ओमान के मस्कट में सोमवार और मंगलवार को चीन के खिलाफ दो मैच खेलने हैं। शोपमैन ने कहा कि हम प्रो लीग में अपना अभियान शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं और एशिया कप के अपने प्रदर्शन को ही आगे बढ़ाने को तैयार हैं। उम्मीद है कि हम मौके बनाएंगे और उन्हें भुनाएंगे तथा साथ ही रक्षापंक्ति में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि चीन ने एशिया कप में दिखाया कि वह अच्छी टीम है। वह भले ही शीर्ष तीन में नहीं रहा लेकिन उनके खेल के आंकड़े दिखाते हैं कि वे शीर्ष तीन टीमों के समान ही है। सविता चीन के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भी टीम की अगुवाई करेगी। उन्होंने भी कहा कि टीम अपने हालिया प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेगी।सविता ने कहा कि हम न केवल स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने में कामयाब रहे, बल्कि हमने कांस्य पदक भी हासिल किया। हम इस बात से खुश हैं कि टीम अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और उम्मीद है कि आगामी मैचों में भी हम निरंतर बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

फ्रांस ने अगर टीकाकरण नियम बदला तो जोकोविच फ्रेंच ओपन से भी बाहर होंगे

पेरिस ।

फ्रांस ने कहा है कि वह कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए अपने कोविड-19 टीकाकरण नियमों को और सख्त करने जा रहा है। ऐसे में सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के इस टूर्नामेंट में खेलने पर ही संदेह गहरा गया है। इससे पहले जोकोविच टीकाकरण नहीं होने के कारण ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन भी नहीं खेल पाये थे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया ने देश से निर्वासित कर दिया था। वहीं अब फ्रांस में भी खेलों के स्थलों में प्रवेश के लिये 15 फरवरी से नियमों को और कठोर बनाया जा रहा है। नए नियमों के तहत जिसने भी कोरोना वायरस से बचने के लिए टीका नहीं लगवाया होगा, उसे पिछले 4 महीनों- जो मौजूदा 6 महीने के विंडो से कम है में कोविड-19 पॉजिटिव आने का सबूत देना होगा। ऐसा नहीं करने पर संबंधित व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सरकार की योजना वायरस से निपटने के लिये स्टेडियम, रेस्तरां, बार और अन्य सार्वजनिक स्थानों से उन व्यक्तियों को प्रतिबंधित करने की है, जिन्होंने टीकाकरण नहीं कराया हुआ है। वहीं जोकोविच ने टीकाकरण नहीं कराया है और वह दिसंबर के मध्य में कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे। ऐसे में वह फ्रांस के 6 छह महीने की विंडो के मौजूदा नियम

के तहत 22 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में खेल सकते हैं पर अगर तब तक नया (चार महीने का) नियम लागू रहता है, तो जोकोविच को प्रवेश नहीं मिल पाएगा।

वहीं अगर उन्हें क्ले कोर्ट ग्रैंडस्लैम में खेलना है, तो उन्हें हर हाल में कोरोना का टीका लगवाना होगा या फिर टूर्नामेंट शुरू होने से यह साबित करना होगा कि वो फ्रांस के नियमों के तहत 4 महीने के विंडो पीरियड के बीच में इस वायरस से संक्रमित हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

नीदरलैंड के अनुभवी बल्लेबाज कूपर ने संन्यास लिया

नई दिल्ली । नीदरलैंड के अनुभवी बल्लेबाज बेन कूपर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 29 साल की उम्र में कूपर के संन्यास लेने से टीम को करारा झटका लगा है। साल 2013 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले कूपर ने अब तक नीदरलैंड की ओर से 71 मैच खेले हैं। कूपर ने ट्वीट कर खेल को अलविदा कहने की घोषणा की है। इस क्रिकेटर ने कहा कि आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। आठ साल तक देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। यह समय खास पलों, अद्भुत ऊंचाइयों और उतार चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने इसके साथ ही नीदरलैंड क्रिकेट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे बचपन के सपने को पूरा करने का मौका देने के लिए धन्यवाद मैं अपनी टीम के वर्तमान और पूर्व खिलाड़ियों और कोच का भी शुक्रिया अदा करता हूं। बेहतरीन यादों के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि मैं इनसे बेहतर लोगों के साथ मैदान और ड्रेसिंग रूम साझा नहीं सकता था। मुझे टीम के युवा खिलाड़ियों की योग्यता पर जरा भी संदेह नहीं है। मेरा मानना है कि वे नीदरलैंड क्रिकेट को और आगे ले जाएंगे। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 1239 रन बनाने वाले इस खिलाड़ी ने 58 मैचों में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली थी। इस क्रिकेटर ने अब तक 13 एकदिवसीय मैचों में कुल 187 रन बनाए हैं। अब देखना होगा कि कूपर दुनियाभर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखते हैं या नहीं।

दूसरा एएफसी महिला एशियाई कप खिताब दिलाने के लिए मेहनत करनी होगी

मुंबई । आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर क्लेयर व्हीलर ने कहा कि थाईलैंड पर 2-1 की जीत के बाद टीम के हर खिलाड़ी को देश को दूसरा एएफसी महिला एशियाई कप खिताब दिलाने के लिए मेहनत करनी होगी। पिछले सितंबर में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाली व्हीलर ने राष्ट्रीय टीम के लिये पहले सीनियर टूर्नामेंट में प्रभावित किया है। टीम ने शुरूआती दिन इंडोनेशिया पर 18-0 से जीत दर्ज की जिसके बाद व्हीलर थाईलैंड के खिलाफ मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुनी गई। व्हीलर ने कहा कि टीम की प्रत्येक सदस्य को 2020 के बाद टीम को पहला एशियाई खिताब दिलाने की मुहिम में अपनी भूमिकाएं निभानी होगी। उन्होंने कहा, 23 खिलाड़ी एक टूर्नामेंट में जीत दिलाती हैं। व्हीलर ने कहा, ''भले ही शुरूआत करने वाली खिलाड़ी नहीं खेल रहीं तो भी प्रत्येक को ट्राफी दिलाने के लिये अपनी भूमिका निभानी होगी।

स्टार्क को बॉर्डर और ओर गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार

कैनबरा ।

ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क को प्रतिष्ठित एलेन बॉर्डर और महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर को बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार मिला है। स्टार्क को खेल के तीनों प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन के लिये यह पुरस्कार मिला है उन्होंने करीबी मुकाबले में मिशेल स्टार्क से एक वोट ज्यादा मिला। वह यह पुरस्कार जीतने वाले पांचवें गेंदबाज बने हैं। उनसे पहले यह पुरस्कार पाने वाले तेज गेंदबाजों में पैट कमिंस, मिशेल जॉनसन, ब्रेट ली और ग्लेन मैकग्रा शामिल हैं। वहीं महिला क्रिकेटर गार्डनर को पहली बार यह पुरस्कार मिला है। वह ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट में सर्वोच्च पुरस्कार जीतने वाली पहली देशज खिलाड़ी हैं। गार्डनर ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह पुरस्कार मुझे मिलेगा। जब इसकी घोषणा हुई तो मैं हैरान हो गई। उन्होंने कहा, मैं अभी भी स्तब्ध हूं। यह पुरस्कार पाने वाली पहली देशज खिलाड़ी बनना मेरे ही नहीं बल्कि मेरे परिवार और समाज के लिये भी बड़ी बात है। पुरस्कार का चयन साल 2021 और 22 के लिये वोटिंग प्रक्रिया से हुआ। इसके लिये खिलाड़ियों, अंपायरों और मीडिया प्रतिनिधियों ने साल भर मतदान किया। पुरस्कार पाने से उत्साहित स्टार्क ने कहा कि यह मेरे लिए हैरानी की बात। इससे मैं बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वहीं पुरस्कार की दौड़ में स्टार्क से पिछड़े मार्श को सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर चुना गया जिन्होंने 21 वनडे में 627 रन बनाये। ट्रेविस हेड को सर्वश्रेष्ठ टेस्ट

क्रिकेटर चुना गया जिन्होंने एशेज श्रृंखला में दो शतक लगाये थे। वहीं महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज एलिसा हीली को तीसरी बार वर्ष की सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय क्रिकेटर जबकि बेथ मूनी को लगातार दूसरे साल सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर का पुरस्कार मिला है।

गोल्ड विजेता पैरालंपियन पद्मश्री प्रमोद भगत की उनके गृहराज्य ने नहीं ली सुध

पटना ।

एक कहावत है 'घर का जोगी जोगना आन गांव का सिद्ध' यह बात बिहार के हाजीपुर के रहनेवाले प्रमोद भगत पर पूरी तरह फिट है। प्रमोद इस बार पद्मश्री सम्मान से नवाजे गए हैं। प्रमोद ने 2020 के पैरालंपिक में पुरुष बैडमिंटन में गोल्ड जीतकर देश का नाम रोशन किया। पर खुद के राज्य में यह खिलाड़ी आज भी गुमनामी में है। राज्य सरकार ने कभी इस खिलाड़ी का ध्यान नहीं किया। खेलरत्न से लेकर पद्मश्री पुरस्कार तक पा चुके हैं प्रमोद। पैरालंपिक 2020 में गोल्ड भले ही इन्होंने ओडिशा से शामिल होकर जीता। लेकिन प्रमोद मूलरूप से हाजीपुर के छोटे से गांव सुभई के रहनेवाले हैं। अभी भी इस गांव में प्रमोद का घर है, जहां उनका पूरा परिवार रहता है। प्रमोद को ओडिशा कोटे से पद्मश्री पुरस्कार दिए जाने की सूचना मिलते ही घर लोगों ने पूरे गांव में जलेबी बांटकर खुशी जताई। प्रमोद के पिता रामा भगत को आज भी इस बात का मलाल है कि प्रमोद जिस राज्य के हैं, जिस राज्य में आज भी उनके मां-पिता हैं, उस राज्य की सरकार के लिए यह परिवार आज भी गुमनाम है। सम्मान की बात तो दूर आज तक राज्य सरकार ने इस परिवार या प्रमोद की सुध तक नहीं ली। प्रमोद की मां मालती देवी बताती हैं कि जन्म के कुछ दिन बाद ही प्रमोद पैर से लाचार हो गया था। हमारी माली हालत खराब हो थी। तो प्रमोद की बुआ उसके लालन पालन के लिए उसे लेकर ओडिसा चली गईं। वहां प्रमोद ने बैडमिंटन खेलते हुए देश का मान पूरी दुनिया में बढ़ाया। 2020 में पैरालंपिक में गोल्ड मेडल भी जीता। प्रमोद अभी भी विदेश में ही है। वहीं से उसने केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया कि उसे पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है। भारत का डंका पूरे विश्व में बजाने के लिए प्रमोद दिन रात मेहनत कर रहा है। पिछले दो साल से प्रमोद अपने घर नहीं लौटे हैं। लेकिन वह लौटकर करेंगे भी क्या? जिस राज्य के बेटे ने पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन किया, उसी राज्य में वह आज भी गुमनाम हैं।

तीनों प्रारुपों में खेलने के कारण रोहित कप्तानी के लिए सबसे बेहतर : राजकुमार

नई दिल्ली । भारतीय टीम के सीमित ओवरों के कप्तान रोहित शर्मा को टेस्ट प्रारुप में भी कप्तान बनाये जाने की संभावनाएं हैं। विराट कोहली के टेस्ट कप्तानी से इस्तीफे के बाद से ही रोहित कप्तानी के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं , पिछले साल ही उन्हें उप कप्तान भी बनाया गया था। वहीं टेस्ट कप्तानी के लिए लोकेश राहुल , आर अश्विन सहित कई अन्य दावेदार भी हैं पर दक्षिण अफ्रीका दौरे पर एकदिवसीय सीरीज में रोहित की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम की कमान राहुल के पास थी पर उनकी कप्तानी में टीम 0-3 से हार गयी थी। इसके अलावा विराट के बाहर होने के कारण दूसरे टेस्ट में भी उन्होंने कप्तानी की थी पर उस मैच में भी भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं अब विराट के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने बताया कि टेस्ट कप्तानी के लिए रोहित सबसे बेहतर रहेंगे क्योंकि वह तीनों प्रारुपों में खेलते हैं। राजकुमार के अनुसार रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस ने पांच बार आईपीएल का खिताब भी जीता है, इस प्रकार उनके पास अनुभव भी पर्याप्त है। राजकुमार ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि रोहित के अलावा इस पद के लिए कोई और दावेदार है, क्योंकि तीनों ही प्रारुपों में उनके अलावा कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं है.

इंग्लैंड ने चौथे टी20 में वेस्टइंडीज को 34 रनों से हराया

सीरीज 2-2 से बराबरी पर आई

ब्रिजटाउन ।

मेहमान टीम इंग्लैंड ने चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मेजबान वेस्टइंडीज को 34 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से बराबर कर ली है। इंग्लैंड टीम की जीत में मोईन अली की अहम भूमिका रही। मोईन ने मैच में 63 रन बनाने के साथ ही 2 विकेट भी लिए। मोईन को इस मैच में कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गयी थी क्योंकि नियमित कप्तान इयोन मोर्गन चोटिल हुए थे। मोईन ने 28 गेंदों पर एक चौके और सात छक्कों की सहायता से 63 रन बनाये। उनकी इस पारी की सहायता से इंग्लैंड ने आखिरी तीन ओवरों में 59 रन बनाकर छह विकेट पर 193 रन बनाये। इसके बाद जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज टीम 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 159 रन ही बना सकी। इस मैच में मेजबान टीम वेस्टइंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेहमान टीम इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज टॉम बैंटन शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। बैंटन 4 रन ही बना पाये। इकसे बाद जेसन रॉय ने 52 रन जबकि जेम्स विंस ने 34 रन बनाकर पारी को संभाला। इसके आउट होने के बाद कप्तान मोईन और लियाम लिविंगस्टोन ने तेजी से रन बनाये। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। ब्रैंडन किंग और काइल मेयर्स ने पहले विकेट के लिए 64 रन बनाये। इसी स्कोर पर मेयर्स 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मोईन अली ने आउट किया। इसके बाद मोइन ने दूसरे ओपनर किंग को भी पवेलियन भेज दिया। इन दो झटकों के बाद

वेस्टइंडीज की टीम उबर नहीं पाई। कप्तान कायरान पोलार्ड और जेसन होल्डर ने टीम की उम्मीदों को बनाये रखने के काफी प्रयास किये पर वह नाकाम रहे।

कप्तान यश ने टीम के प्रदर्शन को सराहा

एंटीगा । भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान यश धुल ने सेमीफाइन में पहुंचने के बाद सभी खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन समय में मिलकर जो खेल दिखाया उसी से टीम सेमीफाइनल में पहुंची है। इस टूर्नामेंट के बीच में ही यश सहित भारतीय टीम के छह खिलाड़ी कोरोना संक्रमित हुए थे। इसके बाद भी टीम ने अपना हौंसला नहीं खोया। भारतीय टीम अपने मुख्य खिलाड़ियों के बिना ही ग्रुप चरण में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में उतरी थी। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। धुल ने कहा, ''हमारी टीम का संयोजन बहुत अच्छा रहा है और खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जब भी कोई निराश होता है तो हम सब मिलकर उसका हौसला बढ़ाते हैं। यह बहुत अच्छा अनुभव रहा।''टीम ने विपरीत हालातों में भी जीत का क्रम बनाये रखा। क्वार्टर फाइनल से पहले पांच खिलाड़ियों ने नेगेटिव आने के बाद वापसी की है। अब भारतीय टीम बुधवार को सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करेगी। धुल ने कहा कि राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के मार्गदर्शन से भी टीम को लाभ हुआ। कप्तान ने कहा, ''टीम में हर दिन सुधार हो रहा है। सेमीफाइनल के लिये हम पिच को देखकर ही अपनी रणनीति बनाएंगे।'' वहीं बांग्लादेश के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में शानदार गेंदबाजी करने वाले तेज गेंदबाज रवि कुमार ने कहा, ''हमारी रणनीति सही लाइन से गेंदबाजी करना और दबाव बनाना रही। जिसका हमें लाभ मिला।''

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 किमी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात: 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात: देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

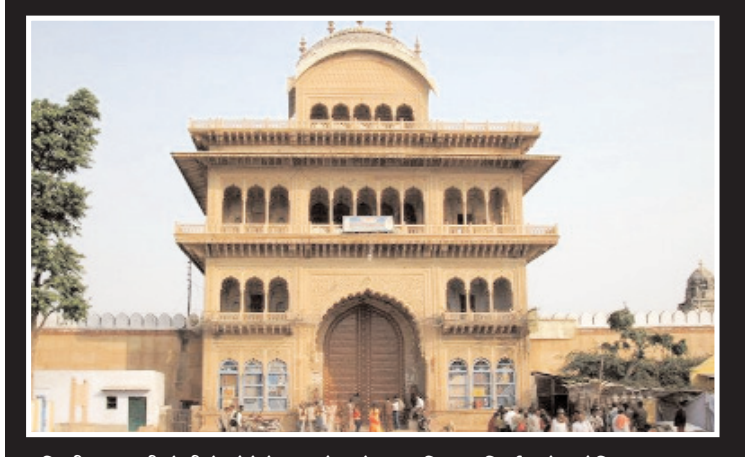

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है ?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन: किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन: मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।

।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सीक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

सार समाचार

नेपाल ने लिपुलेख और कालापानी में कराया जनगणना, भारत के साथ बढ़ा तनाव

कालापानी विवाद को लेकर भारत और नेपाल में तनाव अभी तक थमा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेपाल ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा क्षेत्रों में अनौपचारिक जनगणना कराई है। बता दें कि नेपाल इस हिस्से पर हमेशा से दावा करता आया है। नेपाल के मुताबिक इस क्षेत्र में 700 लोगों की आबादी है। बता दें कि,जनगणना कार्यकर्ता शारीरिक रूप से इन क्षेत्रों में नहीं पहुंचे है। इसकी जानकारी नेपाल के अधिकारियों ने दी है। नेपाल ने यह जनगणना गैर-पारंपरिक तरीकों से किया है। बता दें कि, आखिरी बार नेपाल ने इस क्षेत्र में साल 1961 में जनगणना की थी। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स नेपाल के उप निदेशक हेमराज रेग्मी ने बताया है कि हमने भारत जाने वाले प्रवासी मजदूरों, बॉर्डर पर तैनात सुरक्षा कर्मी और बॉर्डर पार नेपाली नागरिकों के रिश्तेदारों के जरिए यह डेटा जमा किया है। बता दें कि नेपाल इस क्षेत्र में वास्तविक संख्या का पता लगाने के लिए सैटेलाइट का इस्तेमाल करेगा।

क्या है कालपानी विवाद

नेपाल ने पहली बार कालापानी क्षेत्र को भारतीय शासन के अधीन होने पर आपत्ति जताई थी। कालापानी उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में भारत, चीन और नेपाल के बीच रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण त्रि-जंक्शन है।1997 में, भारत और चीन द्वारा मानसरोवर के लिए एक यात्रा मार्ग की सुविधा के लिए लिपुलेख दर्रे को खोलने के लिए सहमत होने के बाद नेपाल ने आपत्ति जताई। नेपाल का कहना है कि कालापानी सुदुर पश्चिम प्रदेश में उसके दारचुला जिले का हिस्सा है। कालापानी मोटे तौर पर हिमालयी नदियों की गड़बड़ी से बनी एक घाटी है, जो नेपाल और भारत के विभिन्न बिंदुओं पर काली, महाकाली या शारदा नदी के रूप में जानी जाती है। लिपुलेख कालापानी घाटी के ऊपर है और भारत, नेपाल और चीन के बीच एक त्रि-जंक्शन बनाता है। यह एक प्राचीन व्यापार और तीर्थ मार्ग है जो सदियों से इस क्षेत्र में रहने वाले भूटिया लोगों द्वारा स्थानीय रूप से प्रसिद्ध है। 1962 में चीनी आक्रमण के बाद भारत ने इस मार्ग को बंद कर दिया। लेकिन इस महीने की शुरूआत में, भारत ने 22 किलोमीटर की नई सड़क के निर्माण के बाद कैलाश मानसरोवर के लिए लिपुलेख दर्रे को फिर से खोल दिया। यह गुंजी नामक गांव से खुलता है। नेपाल गांव और सड़क को अपना इलाका होने का दावा करता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 8 मई 2020 को 74 किलोमीटर घाटियाबागर-लिपुलेख रोड का उद्घाटन किया था जिसके बाद नेपाल ने वहां सड़के बनाने के एकतरफा फैसले को 2014 के समझौते का उल्लंघन बताया था।

श्रीलंका में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कोविड-19 के मामले बढ़ने पर चेतावनी दी

कोलंबो । श्रीलंका में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने पर स्वास्थ्य विभाग ने चेतावनी जारी की है। देश में शनिवार को टीकाकरण अभियान का एक साल पूरा हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि सामने आ रहे 95 फीसदी नए मामलों में ओमीक्रोन स्वरूप सामने आया है। भारत से कोरोना-रोधी टीके कोविशील्ड की पांच लाख खुराक प्राप्त करने के बाद श्रीलंका में पिछले साल 29 जनवरी को टीकाकरण कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय में गृह देखभाल पृथकवास कार्यक्रम के प्रमुख डॉ मलकांथि गल्लागे ने कहा इस समय घर पर रह कर इलाज करा रहे संक्रमितों की संख्या अगस्त-सितंबर के मुकबले अधिक है। श्रीलंका में अगस्त-सितबंर के दौरान कोरोना संक्रमण का चरम देखने को मिला था। स्वास्थ्य संवर्धन ब्यूरो के डॉ. रंजीत बटुवनथुडावा ने कहा कि 95 प्रतिशत मामले वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के हैं और सामुदायिक प्रसार दिखा है। श्रीलंका में शुक्रवार को कोविड के 961 नए मामले सामने आए थे। देश में लगातार तीसरे दिन प्रतिदिन के मामलों की संख्या 900 से अधिक रही। श्रीलंका में शुक्रवार तक कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 608,065 थी, जबकि अब तक महामारी से कुल 15,386 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को श्रीलंका में बूस्टर टीकाकरण अभियान शुरू किया गया, हालांकि देश में बूस्टर खुराक लगवाने के प्रति लोग काफी अनिच्छुक हैं। श्रीलंका में 1.65 करोड़ लोगों को कोविड टीके की पहली खुराक और 1.38 करोड़ लोगों को दूसरी खुराक लग चुकी है।

हर लड़की और महिला को बुनियादी मानवाधिकार मुहैया कराए तालिबान: गुतारेस

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने तालिबान से हर लड़की और महिला को बुनियादी मानवाधिकार मुहैया कराने की अपील की है। गुतारेस ने कहा कि अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों को एक बार फिर शिक्षा, रोजगार और समान न्याय के उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। वैश्विक समुदाय का हिस्सा बनने के लिए तालिबान को इन मामलों में प्रतिबद्धता दिखानी होगी। तालिबान को उन बुनियादी मानवाधिकारों को पहचानना और बनाए रखना होगा, जो महिला से संबंधित हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान के शासन को छह महीने से अधिक हो गया है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के सदस्यों ने अफगानिस्तान में मानवाधिकारों की बिगड़ती स्थिति के बारे में बार-बार चिंता जताई है। अफगानिस्तान सूखे, महामारी, आर्थिक पतन और वर्षों के संघर्ष के प्रभावों से जूझ रहा है। लगभग 24 मिलियन लोग खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि इस साल आधी से ज्यादा आबादी अकाल का सामना करेगी और 97 फीसदी आबादी इस साल गरीबी रेखा से नीचे आ सकती है।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बुधवार को कहा कि दुनिया अब अफगानिस्तान को समग्र वैश्विक सुरक्षा के लिए नहीं छोड़ सकती। गुतारेस ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी ब्रीफिंग में कहा था कि वैश्विक समुदाय और इस परिषद की जरूरत है कि वे प्रगति के पहिए पर अपना हाथ रखें, संसाधन उपलब्ध कराएं और अफगानिस्तान में हालात बिगड़ने से रोकें। कुछ दिन पहले गुतारेस ने कहा था कि अफगानिस्तान में सभी आतंकवादी समूहों के विस्तार को रोका जाना चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि अफगानिस्तान बहुत लंबे समय से आतंकवादी संगठनों के विस्तार के लिए एक अनुकूल स्थान रहा है। अगर अंतरराष्ट्रीय समुदाय अफगान लोगों की मदद नहीं करता है तो क्षेत्र व दुनिया को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

कांगो की सैन्य कोर्ट ने यूएन विशेषज्ञों की हत्या के जुर्म में 50 से अधिक लोगों को सुनाई मौत की सजा

किंशासा । कांगो की एक सैन्य अदालत ने संयुक्त राष्ट्र के जांचकताओं माइकल शार्प और जैदा कैटलान की कसाई प्रांत में हत्या के करीब पांच साल बाद तकरीबन 50 लोगों को मौत की सजा सुनाई है। कसाई ऑक्सीडेंटल मिलिट्री कोर्ट के अध्यक्ष ब्रिगेडियर जनरल जीन पाउलिन नत्शायोकोलो ने कहा 54 आरोपियों में से एक अधिकारी को आदेश का उल्लंघन करने के जुर्म में 10 साल की जेल की सजा सुनाई गई और दो अन्य को बरी कर दिया गया है। जिन लोगों को मौत की सजा सुनाई गई है, वे उम्रकैद की सजा काटेंगे क्योंकि कांगो ने 2003 के बाद मौत की सजा पर रोक लगा दी है। अमेरिका के शार्प और स्वीडन की कैटलान की 12 मार्च 2017 को कसाई मध्य प्रांत में उस समय हत्या कर दी गयी थी जब वे क्षेत्र में सक्रिय मिलिशिया कामविना न्सापु के प्रतिनिधियों के साथ दौरे पर गए थे।

कनाडा में कोरोना वायरस टीके को जरुरी बनाये जाने के खिलाफ प्रदर्शनकारी विरोध करते हुए।

चीन तैयार कर रहा अंतरिक्ष तक उड़ाने भरने वाला विमान

4000 किमी प्रति घंटे से अधिक होगी रफ्तार

बीजिंग (ईएमएस)। चीन में ऐसा यात्री विमान तैयार हो रहा है जो पहले तेजी से उड़ान भरकर यात्रियों को अंतरिक्ष तक ले जाएगा और फिर अत्यधिक तेज गति से उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचा देगा। इस विमान (स्पेस प्लेन) में रॉकेट भी लगा होगा। इस अत्याधिक तेज गति वाले यात्री विमान का नाम तियानसिंग-1 है जो 4184 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से उड़ान भरेगा। अनुमान है कि इस विमान से न्यूयॉर्क से लंदन की 5571 किलोमीटर की दूरी एक घंटे से थोड़े अधिक समय में पूरी हो सकती है। यह एक तरह का अंतरिक्ष विमान (स्पेस प्लेन) है जो पहले अंतरिक्ष में जाकर तेजी से अपनी मंजिल तक यात्रियों को पहुंचाएगा। इस विमान को अंतरिक्ष में पहुंचाने के बाद इसमें लगा रॉकेट विमान से अलग हो जाएगा और फिर विमान पृथ्वी पर लौटेगा। विमान को तैयार करने में जुटे विशेषज्ञों के अनुसार विमान की अधिकतम गति 4298 किलोमीटर प्रतिघंटा हो सकती है। अगर इतनी गति से ये चलता है तो सुपरसोनिक एयरलाइनर कॉनकॉर्ड की गति से भी दोगुनी रफ्तार से यात्रा पूरी करेगा। बीजिंग की स्पेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी यह विमान साल 2018 से बनाने में जुटी है। कंपनी ने इस विमान को पंख वाला रॉकेट नाम दिया है। कंपनी को उम्मीद है साल 2025 में यह लॉन्च हो जाएगा। कंपनी की योजना के अनुसार इस प्लेन का फुल ग्राउंड टेस्ट अगले साल होगा। बिना पायलट सदस्यों के इस विमान का परीक्षण 2024 में और क्रू के साथ परीक्षण 2025 में होगा। वैज्ञानिक इस श्रेणी के ऑर्बिटल वर्जन का अंतरिक्ष विमान भी बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। यह विमान 2030 में लॉन्च हो सकता है।

कनाडा में कोरोना वैक्सीन को लेकर मचा बवाल, पीएम के खिलाफ लोगों का भड़का गुस्सा, गुप्त स्थान पर छिपे जस्टिन ट्रूडो

ओटावा (एजेंसी)

एक ओर जहां पूरी दुनिया कोरोनावायरस की चपेट में है तो वही कनाडा में भी इसका कहर देखने को मिल रहा है। इन सबके बीच कनाडा में कोरोना गाइडलाइन को सख्त कर दिया गया है। हालांकि कोरोना गाइडलाइन के सख्त किए जाने के बाद लोगों में गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि राजधानी ओटावा में हजारों लोगों ने टीकाकरण को अनिवार्य बनाने और कोविड-19 के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को भी निशाना बनाया है और उनकी तीखी आलोचना की है। इन सबके बीच खबर यह है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो परिवार के साथ कहीं गुप्त स्थान पर चले गए हैं। प्रदर्शन को देखते हुए जस्टिन ट्रूडो अपने परिवार के साथ प्रधानमंत्री कहां गए हैं इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। बताया जा रहा है कि विरोध प्रदर्शन को देखते हुए वह सीक्रेट प्लेस पर चले गए हैं। आपको बता दें कि कनाडा सरकार ने अमेरिका की सीमा को पार करने के लिए ट्रक ड्राइवर का टीकाकरण को अनिवार्य कर दिया था। अब हजारों की संख्या में ट्रक ड्राइवर्स ने विरोध करना शुरू कर दिया है। प्रदर्शनकारी कनाडा सरकार के फैसले की तुलना फासीवाद से कर रहे हैं। हजारों की संख्या में ओटावा में प्रधानमंत्री आवास के पास लोग पहुंच चुके हैं और लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मॉन्ट्रियल से आए डेविड सेन्टोस ने कहा कि उसे लगता है कि टीकाकरण अनिवार्य करना स्वास्थ्य से संबंधित नहीं है बल्कि यह सरकार द्वारा चीजों को नियंत्रित करने का एक पैंतरा है। मिल रही जानकारी के मुताबिक 50,000 से ज्यादा ट्रक चालकों ने प्रधानमंत्री आवास को चौतरफा घेर लिया है। कनाडा में फिलहाल हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों ने सभी कोविड-19 पाबंदियों व टीकाकरण को अनिवार्य बनाने के फैसले को वापस लेने और प्रधानमंत्री ट्रूडो के इस्तीफे की मांग की।

उ.कोरिया ने संभावित रूप से सबसे लंबी दूरी की मिसाइल का परीक्षण किया

सियोल (एजेंसी)

उत्तर कोरिया ने रविवार को एक मिसाइल का परीक्षण किया, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यभार संभालने के बाद से सबसे शक्तिशाली मिसाइल परीक्षण बताया जा रहा है। उसने यह परीक्षण ऐसे समय में किया है जब वह कूटनीति में लंबे समय से चल रहे गतिरोध के बीच अमेरिका और अन्य पड़ोसी देशों पर प्रतिबंधों में ढील देने के लिए दबाव बना रहा है। जापान के अधिकारियों ने बताया कि उनके आरंभिक आकलन के अनुसार मिसाइल संभावित रूप से अधिकतम 2,000 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंची और समुद्र में गिरने से पहले उसने 800 किलोमीटर की दूरी तय की। इन जानकारियों से पता चलता है कि उत्तर कोरिया ने 2017 के बाद से अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया है। उसने 2017 में तीन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया था जो अमेरिका के भीतर तक मार करने में सक्षम हैं। उत्तर कोरिया ने इस महीने में यह सातवां परीक्षण किया है। एक के बाद एक परीक्षण किए जाना लंबे समय से बाधित परमाणु वार्ता को लेकर बाइडन प्रशासन पर दबाव बनाने का संकेत देता है। इस परीक्षण से पहले उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने 20 जनवरी को सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक की अध्यक्षता की थी, जहां पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों ने परमाणु विस्फोटकों और अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण बहाल करने की धमकी दी थी। किम ने अमेरिका के साथ कूटनीतिक वार्ता शुरू होने पर 2018 में इन हथियारों का परीक्षण निलंबित कर दिया था। जापान के प्रमुख कैबिनेट मंत्री हिरोकाजु मात्सुनो ने कहा कि मिसाइल ने करीब 30 मिनट तक उड़ान भरी और जापान के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी।

अमेरिका- बफीर्ले तूफान ने पूर्वी हिस्से में मचाया कोहराम

कई प्रांतों में लगा आपातकाल, 7 करोड़ लोग प्रभावित

वॉशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका के पूर्वी हिस्से में एक बफीर्ले तूफान ने जो कोहराम मचाया उससे कई प्रांतों के करीब 7 करोड़ निवासी प्रभावित हुए है। शनिवार को आया यह बफीर्ला तूफान पिछले कुछ साल के सबसे बड़े बफीर्ले तूफानों में से एक है। इसके कारण मौसम संबंधी कई अलर्ट जारी किए गए हैं। बफीर्ले तूफान से जनजीवन प्रभावित हुआ है और करीब 7 करोड़ लोगों के जीवन पर असर पड़ा है। इस बफीर्ले तूफान के कारण परिवहन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। साथ ही लोगों को बिजली कटौती का सामना भी करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में इस बफीर्ले तूफान ने सर्वाधिक असर न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे पूर्वी शहरों पर डाला है। इस तूफान का कहर इतना अधिक है कि नेशनल वेदर सर्विस ने इसे 'बॉम्ब साइक्लोन' के रूप में वर्गीकृत किया है। इस बफीर्ले तूफान के दौरान वायुमंडल में इसका प्रभाव काफी अधिक है। वहीं मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में 3 फीट तक बर्फ गिरी है। वहां लगभग 1.17 लाख से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई है। इसके साथ ही न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और बोस्टन में प्रशासन की ओर से इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

न्यूयॉर्क, बोस्टन और न्यू जर्सी में लोगों से घरों में रहने की अपील की गई है। बफीर्ले तूफान के कारण शनिवार को अमेरिका में 3500 से अधिक फ्लाइट रद्द कर दी गईं। तटीय क्षेत्रों में दिन के अंत तक एक फुट (30 सेंटीमीटर) से अधिक बर्फ गिरने की आशंका जताई गई थी। वहीं नेशनल वेदर सर्विस ने फ्लोरिडा में भी लोगों के लिए अलर्ट घोषित किया है। वहीं एक महिला को बफीर्ले तूफान के बीच कार में मृत पाया गया है। जानकारी के अनुसार मैनहट्टन उत्तरी हिस्से में लगभग 10 इंच बर्फ गिरी थी। रेल सेवा को भी बंद कर दिया गया था।

इजराइल और भारत के राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे, प्रधानमंत्री बेनेट ने 'गहरी दोस्ती' बताया

यरुशलम (एजेंसी)

इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने शनिवार को कहा कि भारत और इजराइल के बीच 'गहरी दोस्ती' है और उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी को इस 'मजबूत और अटूट दोस्ती' के प्रति उनकी 'गहरी प्रतिबद्धता' के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 30 साल पूरे हुए हैं। भारत और इजराइल के बीच सहयोग के अवसरों को 'अंतहीन' बताते हुए बेनेट ने कहा कि 'भारत और इजराइल के बीच संबंध मजबूत हैं और साथ मिलकर वे और मजबूत होंगे।' भारत ने 17 सितंबर, 1950 को इजराइल को मान्यता दी थी, लेकिन दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध 29 जनवरी, 1992 को स्थापित किए गए थे। इस अवसर पर कई कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं अपने प्रिय मित्र, प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी को उनके नेतृत्व और इस मजबूत एवं अटूट दोस्ती के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। दोनों देश आकार में भिन्न हो सकते हैं लेकिन हम अपना समृद्ध इतिहास, दोनों देशों के लोगों के बीच गर्मजोशी और अपने अत्याधुनिक नवाचार एवं प्रौद्योगिकी सहित बहुत कुछ साझा करते हैं।' वीडियो को एक ट्वीट के साथ टैग किया गया था जिसमें कहा गया था, 'आज, हम भारत और इजराइल के बीच राजनयिक संबंधों के 30 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। हम एक मजबूत साझेदारी, एक अविश्वसनीय गहरी दोस्ती और भविष्य की आशा का जश्न मना रहे हैं।' उन्होंने अपने मित्र नरेंद्र मोदी को हिंदी में लिखा, 'हम साथ मिलकर और भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते रहेंगे।' नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विशेष वीडियो संदेश में कहा कि भारत-इजराइल संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए नए लक्ष्य निर्धारित करने का

इससे बेहतर समय नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में महत्वपूर्ण बदलावों के बीच संबंधों का महत्व बढ़ गया है। मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल के लोगों के बीच हमेशा एक खास रिश्ता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह दिन हमारे संबंधों में महत्व रखता है क्योंकि 30 साल पहले दोनों देशों के बीच पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। दोनों देशों के बीच एक नया अध्याय शुरू हुआ था। यह एक नया अध्याय है लेकिन हमारे बीच का इतिहास सदियों पुराना है।'

कश्मीर समेत सभी लंबित मुद्दे बातचीत, कूटनीति से हल होने चाहिए: इमरान खान

बीजिंग/इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने चीन के अपने दौरे से पहले कहा है कि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति के लिए क्षेत्र में 'रणनीतिक संतुलन' कायम रहना चाहिए और सीमा विवाद एवं कश्मीर मुद्दे का समाधान वार्ता, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों के मुताबिक होना चाहिए। चीन के सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' में प्रकाशित एक लेख में खान ने सीमा विवादों के अलावा कश्मीर मुद्दे के समाधान को दक्षिण एशिया में शांति बनाए रखने के लिए अहम बताया है। उन्होंने कहा, 'यह हमारा साझा नजरिया है कि दक्षिण एशिया में स्थायी शांति इस क्षेत्र में एक रणनीतिक संतुलन बनाए रखने पर निर्भर है और सीमा से जुड़े सवाल और कश्मीर विवाद जैसे सभी लंबित मुद्दे बातचीत और कूटनीति के जरिए एवं अंतरराष्ट्रीय कानून के नियमों के मुताबिक हल किए जाने चाहिए।' खान ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब भारत और पाकिस्तान के द्विपक्षीय रिश्तों में कश्मीर मुद्दे एवं सीमा पार आतंकवाद को लेकर खटास है। प्रधानमंत्री खान ने चीन की यात्रा से पहले शिनजियांग में उइगर मुसलमानों के खिलाफ मानवाधिकारों के आरोपों पर चीन को 'क्लीन चिट' दे दी है। वह बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों के चार फरवरी को होने वाले उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए चीन आ रहे हैं। इस उद्घाटन समारोह का अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने शिनजियांग मुद्दे को लेकर बहिष्कार किया है। चीन द्वारा जारी सूची के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरेस के अलावा खान, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत दुनिया के 32 नेता समारोह में शामिल होंगे। खान ने कहा कि उनके देश के राजदूत ने प्रांत का दौरा किया था और उन्होंने इन आरोपों को सही नहीं पाया है। खान ने बीजिंग यात्रा से पहले इस्लामाबाद में शनिवार को चीनी पत्रकारों को दिए साक्षात्कार में कहा, 'उइगर मुसलमानों के साथ सलूक को लेकर पश्चिम में चीन की काफी आलोचना हुई है, लेकिन हमारे राजदूत वहां गए और उन्होंने सूचना भेजी कि यह सच नहीं है।' अशांत क्षेत्र शिनजियांग को लेकर चीन को 'क्लीन चिट' देते हुए खान ने जम्मू कश्मीर में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन पर पश्चिमी देशों की जानबूझकर 'चुप्पी पर सवाल उठाया। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि 'जम्मू कश्मीर उसका अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा।' उसने पाकिस्तान को वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत के खिलाफ दुष्प्रचार को रोकने की भी सलाह दी है। भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल में पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी के रिश्ते चाहता है। भारत ने कहा है कि आतंकवाद और दुश्मनी से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है। जुलाई 2021 में चीनी पत्रकारों को दिए साक्षात्कार के दौरान खान ने चीन द्वारा उइगर मुसलमानों के मानवाधिकारों के हनन के आरोपों पर पाकिस्तान की चुप्पी को लेकर हो रही आलोचना को नजरअंदाज कर दिया था। पाकिस्तान के अखबार 'डॉन' के मुताबिक, पाकिस्तान ने अधिक निकटता और रिश्तों की वजह से उइगर मुसलमानों के साथ सलूक के संबंध में बीजिंग के पक्ष को स्वीकार कर लिया है। उद्घाटन समारोह में शिरकत करने के अलावा, खान चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, जिनमें दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तों की स्थिति और 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के समक्ष परेशानियों पर चर्चा की जाएगी। साथ में पाकिस्तान की गिरती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए चीनी ऋण और निवेश पर भी बातचीत होगी। सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनजियांग प्रांत से जोड़ता है और यह चीन की महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। भारत ने सीपीईसी को लेकर चीन से आपत्ति जताई है, क्योंकि यह गलियारा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। अपने लेख में खान ने कहा है कि सीपीईसी परियोजनाओं के लिए काम कर रहे चीनी कर्मचारियों की सुरक्षा पाकिस्तान की शीर्ष प्राथमिकता है। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक पाकिस्तान ने पिछले साल दासू बांध जलविद्युत परियोजना में एक आतंकवादी हमले में मारे गए और घायल हुए चीनी इंजीनियरों के परिवारों के लिए 1.16 करोड़ डॉलर के मुआवजे को मंजूरी दी है। खान ने चीनी पत्रकारों को दिए साक्षात्कार में कहा, 'पाकिस्तान में यह भावना है कि चीन हमेशा जरूरत के वक्त पर हमारे साथ खड़ा रहा और मुश्किल समय में हमारा साथ दिया। इसी तरह पाकिस्तान भी हमेशा चीन के साथ खड़ा रहा।' खान ने अपने साक्षात्कार में दोनों देशों के बीच 'गहरे संबंध' पर जोर देते हुए कहा कि यह समय के साथ मजबूत होता गया है।

भाई-बहन की पार्टी को आपदा आने पर भारत नहीं, इटली में बैठी नानी याद आती हैं : योगी

लखनऊ।

प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार में आरोप-प्रत्यारोप और व्यंग्यवाण से प्रतिद्वंदी को घायल और आहत करने का तीखा सिलसिला चालू हो गया है। चुनाव में जहा भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है वहीं कांग्रेस भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुलंदशहर में प्रभावी मतदाता सम्मेलन को संबोधित किया। इसी दौरान योगी आदित्यनाथ ने पहले की सरकारों पर निशाना साधा। साथ ही साथ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर भी जमकर हमले किए। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर हमला करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाई-बहन की पार्टी को आपदा आने पर भारत याद नहीं आता, तब इन्हें इटली में नानी याद आती हैं। आपको बता दें कि योगी आदित्यनाथ लगातार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार कर रहे हैं और समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना भी साधा रहे हैं। अखिलेश यादव और मायावती पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले की सरकारों को विकास के लिए फुर्सत नहीं थी। चाचा-भतीजे की पार्टी के लिए सैफई परिवार का विकास ही उनका सब कुछ था। बहनजी के लिए भतीजे का विकास ही सब कुछ था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने केविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ी। राज्य में मामलों में अब गिरावट आई है... हमने राज्य में युवाओं को रोजगार मुहैया कराया है। समाजवादी पार्टी ने प्रदेश में कोई विकास कार्य नहीं कराया। उत्तर प्रदेश आज शाम तक वैक्सीन की 26 करोड़ डोज़ देने वाला देश का पहला राज्य होगा। योगी ने काह कि तीसरी वेव के दौरान एक नया वेरिएंट ओमिक्रोन देखने को मिला, लोग आशंकित थे कि क्या होगा। हमने कहा कि हमारी सरकार न केवल पेशेवर गुंडों और माफियाओं को ठीक करती है बल्कि कोरोना को भी ठीक कर देगी। अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के युवाओं को पढ़ाई के लिए दूसरे प्रदेशों की दौड़ नहीं लगानी पड़ती। आज हापुड़ में ही भाजपा सरकार के प्रयासों से राजकीय महिला महाविद्यालय, राजकीय पॉलीटेक्निक के साथ आईटीआई भी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार ने 'अंत्योदय' की संकल्पना को साकार करते हुए वृद्धों, निराश्रित महिलाओं और दिव्यांगजनों को सालाना 12000 पेंशन की सुविधा प्रदान की है।

जनपद हापुड़ में विगत 5 वर्षों में इन पेंशन लाभार्थियों की संख्या में भी क्रमशः73 प्रतिशत, 102 प्रतिशत व 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

करहल सीट पर अखिलेश के मुकाबले अपर्णा को उतार सकती है भाजपा

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी घमासान तेज होता दिखाई दे रहा है। मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू और हाल में ही भाजपा का दामन थामने वाली अपर्णा यादव ने अखिलेश यादव को चुनौती देने की तैयारी कर ली है। पहली बार मैनपुरी की करहल सीट से चुनाव लड़ने जा रहे अखिलेश यादव को भाजपा प्रत्याशी के रूप में अपर्णा यादव चुनौती दे सकती हैं। भाजपा अखिलेश यादव को करहल सीट पर कड़ी चुनौती देने का मन बना चुकी है। भाजपा का मानना है कि अखिलेश से मुकाबले के लिए अपर्णा से बेहतर कोई अन्य प्रत्याशी नहीं हो सकता। करहल सीट से भाजपा ने अब तक किसी प्रत्याशी के नाम का ऐलान नहीं किया है। कांग्रेस की ओर से करहल से ज्ञानवती यादव को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि बसपा ने कुलदीप नारायण को टिकट दिया है। सियासी गलियारों में चल रही चर्चा के मुताबिक करहल से मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव को अखिलेश के खिलाफ भाजपा टिकट दे सकती है। अपर्णा यादव ने कलहर सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में उन्होंने ऐसे संकेत दिए हैं। हालांकि उन्होंने यह जरूर कहा कि पार्टी जहां से टिकट देगी वहीं से चुनाव लड़ूंगी, लेकिन फिलहाल लखनऊ कैंट सीट पर जनता की सेवा में लगी हूं। अपर्णा ने कहा मैं किस सीट पर चुनाव लड़ूगी, यह तय करना भाजपा का काम है। अगर पार्टी मुझे करहल सीट से चुनाव लड़ने को कहती है तो मैं इसके लिए भी तैयार हूं। अपर्णा यादव से भाजपा में शामिल होने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मेरे भाजपा में शामिल होने से मुलायम सिंह यादव नाराज नहीं हैं और उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया है। उन्होंने शिवपाल यादव का भी जिक्र किया और कहा कि उन्होंने हमेशा मुझे आगे बढ़ाने का काम किया है, लेकिन आज वह मुझे नसीहत दे रहे हैं। अपर्णा ने कहा अगर खुद इस नसीहत पर अमल करते तो अलग पार्टी नहीं बनाते।

सभी राज्यों को 164.36 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 164.36 करोड़ से अधिक (1,64,36,66,725) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं।

पीएम मोदी 31 जनवरी को 30वें एनसीडब्ल्यू स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 जनवरी, 2022 को शाम 4:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 30वें राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम का विषय, 'महिलाएं, जो बदलाव लातीं हैं' ('शी द चेंज मेकर') है, जिसका उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाना है। राज्य महिला आयोग, राज्य सरकारों के महिला और बाल विकास विभाग, विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षण संकाय व छात्र, स्वैच्छिक संगठन, महिला उद्यमी तथा व्यावसायिक संघ इस आयोजन का हिस्सा होंगे। इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री भी उपस्थित रहेंगी।

जम्मू के एम्स में ओपीडी सेवाएं जल्द शुरू होंगी: केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली । केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष राज्यमंत्री डॉ; जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि भविष्य की स्वास्थ्य देखभाल के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल मेडिसिन महत्वपूर्ण हैं।अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जम्मू में आगामी नए ब्लॉकों का निरीक्षण और हाल ही में विकसित सुविधाओं का उद्घाटन करने के लिए संस्थान के दौरे पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि संस्थान की एक विशिष्ट पहचान विकसित करने के लिए भविष्य के इन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टेली-मेडिसिन और रोबोटिक सर्जरी पहले ही बड़े पैमाने उपयोग में है और इन नए विकल्पों की अपरिहार्य उपयोगिता महामारी के समय में महसूस की गई थी। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि एम्स, जम्मू में ओपीडी सेवाएं तुरंत शुरू हो जाएंगी और पहला बैच इस साल पहली जून से परिसर से संचालित होगा और उसके बाद दूसरा बैच जारी रहेगा। मंत्री ने कहा कि 30 सदस्य फैकल्टी को पहले ही शामिल किया जा चुका है और अगले साल की शुरुआत तक पूरा 6 मंजिला एम्स भवन बनकर तैयार हो जाएगा।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने घोषणा की कि एम्स जम्मू सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू के साथ मिलकर काम करेगा। दोनों संस्थानों की ओर से निदेशक एम्स, जम्मू डॉ. शक्ति गुप्ता और निदेशक सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी के बीच मंत्री की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि विडंबना है कि सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू और गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू एक-दूसरे से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर मौजूद हैं और भले ही दोनों संस्थान चिकित्सा अनुसंधान के लिए समर्पित थे.

मौलाना तौकीर रजा की बहू निदा खान ने थामा भाजपा का दामन

-सपा-बसपा के कई नेताओं भी भाजपा में शामिल हुए

लखनऊ ।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की बेला में सबसे रोचक दृश्य यूपी चुनाव में देखने को मिल रहे हैं। चुनाव से पहले नेताओं का दलबदल का सिलसिला लगातार जारी है। इन सबके बीच आज बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के कई नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। जानकारी के मुताबिक 21 ऐसे लोग हैं जिन्होंने आज भाजपा का दामन थामा है। इनमें ऐसे कई नेता भी हैं जो अपनी पार्टियों के लिए वर्षों से जमीन पर काम करते रहे हैं। लेकिन आज खास बात यह भी है कि मौलाना तौकीर रजा खां की बहू निदा खान ने भी भाजपा की सदस्यता ले ली है। निदा खान ने दावा किया कि वह पार्टी के कार्यों से प्रभावित होकर इसमें शामिल हो रही हैं। बरेली की तीन तलाक पीड़िता निदा खान ने कहा कि मैं भाजपा में इसलिए शामिल हुई हूं क्योंकि यह तीन तलाक कानून लेकर आई और सभी धर्मों की महिलाओं के सशक्तिकरण का भी काम किया। उन्होंने कहा कि मेरे साथ अन्याय होते आए हैं। मुझे अब किसी पर भरोसा नहीं है। इसलिए मैं भाजपा में शामिल हो रही हूं। उन्होंने भरोसा जताया कि मुस्लिम महिलाएं निश्चित तौर पर इस बार भाजपा का समर्थन करेंगी। आपको बता दें कि आज इतने लोगों ने भाजपा का दामन थामा है उन्हें लखनऊ में सदस्यता दिलाई गई है। तौकीर रजा अक्सर विवादों में रहते हैं। हाल में ही उन्होंने कांग्रेस के समर्थन का ऐलान किया था। निदा खान का निकाह आल्हा हजरत खानदान के मौलाना उस्मान रजा खां उर्फ अंजुम मियां के पुत्र शीरान रजा खां के साथ हुआ था। मौलाना उस्मान तौकीर रजा खां के बड़े भाई हैं। इस नाते निदा खान भी तौकीर रजा की बहू हुईं। निदा शीरान रजा का लगभग 1 साल पहले तलाक हो गया था। मामला तीन तलाक का बना और निदा ने लंबी लड़ाई भी लड़ी है।

बिना भर्ती प्रक्रिया का सामना किए अपरेंटिस युवाओं की रेलवे में नियुक्ति की मांग स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे अगस्त 1963 से अपरेंटिस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ट्रेडों में आवेदकों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इन आवेदकों को बिना किसी प्रतियोगिता या चयन के उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर प्रशिक्षु के रूप में लिया जाता है। हालांकि, रेलवे ऐसे उम्मीदवारों को केवल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए बाध्य था, जिन्होंने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया था, उन्हें 2004 से लेवल 1 पदों के लिए विकल्प के रूप में नियुक्त किया जा रहा है। विकल्प के तौर पर नियुक्त उम्मीदवार अस्थायी नियुक्त व्यक्ति होते हैं जिन्हें किसी भी अत्यावश्यकता और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लगाया जा सकता है। जबकि ऐसी नियुक्तियों को अस्थायी रेल सेवकों के कारण लाभ दिया जाता है लेकिन वे नियुक्ति के उचित प्रक्रिया से गुजरे बिना स्थायी रोजगार में पाने के हकदार नहीं हैं। भारतीय रेलवे के चल रहे कायापलट को देखते हुए और सभी रेलवे भर्तियों में निष्पक्षता, पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने की दृष्टि से, रेलवे ने 2017 में सभी भर्तियों के लिए प्रक्रिया को लेवल 1 पर केंद्रीकृत कर दिया, जो अब से एक आम राष्ट्रव्यापी कंप्यूटर आधारित परीक्षण (सीबीटी) के माध्यम से आयोजित किया जाता है। अपरेंटिस अधिनियम 2014 में संशोधित किया था, जिसके तहत अधिनियम की धारा 22 में प्रावधान किया था कि एक नियोक्ता अपने प्रतिष्ठान में प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की भर्ती के लिए एक नीति तैयार करेगा। इस तरह के संशोधन के अनुसरण में, भारतीय रेलवे ने खुले बाजार में भर्ती में रेलवे प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं को लेवल 1 के पदों पर विज्ञापित पदों के 20त्न की सीमा तक वरीयता देने का प्रावधान किया। हालांकि, जब ये अपरेंटिस किए युवा अन्य उम्मीदवारों के साथ लिखित परीक्षा के लिए उपस्थित होते हैं, उन्हें न्यूनतम योग्यता अंक, मीटिंग और चिकित्सा मानकों को प्राप्त करने के अधीन, दूसरों पर नियुक्ति में वरीयता दी जाती है।

साबरमती रिवरफ्रंट पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के कुल्हड़ों से बने भितिचित्र का अनावरण किया

आप अपने घर और जीवन में ज़्यादा से ज़्यादा खादी का इस्तेमाल करें: गृहमंत्री अमित शाह

नई दिल्ली ।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के कुल्हड़ों से बने भित्तिचित्र का अनावरण किया। अमित शाह ने प्रशिक्षित कुम्हारों और मधुमक्खी पालकों को 200 इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील और 400 मधुमक्खी बक्से भी वितरित किए। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वीं शहीदी दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा ये भित्ति चित्र तैयार किया गया है। 2975 लाल रंग की ग्लेज्ड मिट्टी के कुल्हड़ों से दीवार पर बना 100 वर्ग मीटर भित्ति चित्र भारत में अपनी तरह का केवल दूसरा और गुजरात में पहला है। स्मारक भित्ति चित्र देशभर से एकत्र की गई मिट्टी से बनाया गया है और इसमें इस्तेमाल किए गए कुल्हड़ चङ्कद्बष्ट द्वारा ÷कुम्हार सशक्तिकरण योजना÷ के तहत प्रशिक्षित 75 कुम्हारों द्वारा बनाए हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे, केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज 30 जनवरी बापू का भी स्मृति दिन है, इसीलिए 30 जनवरी को 1857 से लेकर 1947 तक आज़ादी के आंदोलन में जिन लोगों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, उनकी स्मृति में पूरा राष्ट्र आज शहीद दिवस मनाता है। आज के दिन ही साबरमती के जिस तट पर बापू ने आज़ादी के आंदोलन का आयोजन किया, उसी तट से आज उनके दिए आत्मनिर्भरता के मंत्र को साकार करते हुए मिट्टी के कुल्हड़ों से तैयार भित्ति चित्र के उदघाटन का कार्यक्रम आयोजित हुआ है और बापू को इससे बड़ी श्रद्धांजलि नहीं हो सकती। श्री शाह ने कहा कि इस स्मृति दिन पर इस श्रद्धांजलि का एक और भी महत्व है कि यह वर्ष हमारी आज़ादी के अमृत महोत्सव का वर्ष है। देश की आज़ादी का 75वां साल है और 75वें साल को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अत्यंत उत्साह के साथ मनाने का निर्णय लिया है। इस निर्णय के पीछे दो उद्देश्य हैं- पहला, नई पीढ़ी, जो भविष्य के भारत की रचना करेगी, उन्हें आज़ादी के समग्र संग्राम - 1857 से 1947 तक की लड़ाई के हर संघर्ष के महत्व के बारे में बताया जाए और आज़ादी के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया और अपार यातनाएं भुगतीं, उनके संघर्ष की जानकारी भी नई पीढ़ी तक पहुंचा कर राष्ट्र के पुनर्निर्माण का एक संकल्प नई पीढ़ी के मन में जागृत किया जाए। दूसरा उद्देश्य है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के सामने एक विचार रखा है कि हम आज आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और जब आज़ादी के 100 साल होंगे, तब हर क्षेत्र में भारत कहां होगा, उसका लक्ष्य तय करना है और उसका संकल्प लेना है। 25 साल बाद आज़ादी के 100 साल पूरे होने पर आर्थिक, रोजगार, शिक्षा के क्षेत्रों में कौन-कौन से लक्ष्य सिद्ध करने हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई-पुणे हाइवे पर भीषण दुर्घटना में 5 लोगों की मौत

पुणे। रविवार सुबह पुणे-मुंबई हाइवे पर लोनावला के पास हुई एक भीषण दुर्घटना में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. यह दुर्घटना सुबह आठ बजे पुराने पुणे-मुंबई महामार्ग पर हुई. मिली जानकारी के अनुसार मुंबई से पुणे की ओर तेज रफ्तार से जा रही फोर्ड गाड़ी मावल तालुके में स्थित शिलाटणे गांव के पास पुणे से मुंबई की ओर आ रहे कंटेनर से टकरा गई. हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई. दुर्घटना की जानकारी मिलते ही महाराष्ट्र सुरक्षा बल, आईआरबी पेट्रोलिंग, देवदूत, पुलिस और आस-पास के गांव वाले घटनास्थल पर पहुंचे और राहत व बचाव कायर किया. घटनास्थल पर कंटेनर के नीचे दबी हुई कार को बाहर निकाला गया. पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत होने के कुछ देर बाद इन पांचों शवों को भी बाहर निकाल लिया गया. यह टक्कर इतना भीषण था कि इसके धमाके आस-पास के गांवों तक सुनाई दिए. तेज धमाका सुनते ही गांव वाले घटनास्थल पर पहुंचे तो देखा कार कंटेनर के नीचे चली गई थी और उसके अंदर लोग खून से लथपथ पड़े थे. बताया गया है कि अधिक रफ्तार होने की वजह से कार के ड्राइवर का संतुलन अचानक गडबड़ा गया और कार डिवाइडर को क्रॉस करती हुई मुंबई की ओर आ रहे कंटेनर के नीचे चली गई. इस भीषण दुर्घटना से कार में सवार पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. कार भी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई.

पीएम मोदी ने 75 प्रतिशत वयस्कों के पूर्ण टीकाकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 75 प्रतिशत वयस्कों के पूर्ण टीकाकरण पर प्रसन्नता व्यक्त की है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया के एक ट्वीट के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा; सभी वयस्कों में से 75 प्रतिशत का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हमारे देशवासियों को बधाई। उन सभी पर गर्व है, जो हमारे टीकाकरण अभियान को सफल बना रहे हैं।

सोमेश्वर सीट पर सपा प्रत्याशी के मुकाबले पत्नी ने भरा निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा

देहरादून . अल्मोड़ा जिले की 6 विधानसभा सीटों पर इस बार मुकाबला बेहद रोचक होने की उम्मीद है। सोमेश्वर विधानसभा सीट काफी चर्चा में है। इस सीट पर पहले कैबिनेट मंत्री रेखा सिंह पर सबकी नजरें टिकी हुई थी, लेकिन अब इस सीट से उनके पति भी चुनाव लड़ेंगे। दोनों पति और पत्नी ने इस सीट के लिए अपना नामांकन भर दिया है। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में है तो पत्नी ने निर्दलीय नामांकन किया है। अब देखना यह है पति और पत्नी में से कौन जीतता है। अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर विधानसभा सीट (आरक्षित) है। इस सीट से भाजपा प्रत्याशी और कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या प्रत्याशी हैं। वहीं कांग्रेस की ओर से राजेन्द्र बाराकोटी प्रत्याशी हैं। इस सीट पर बलवंत आर्य को समाजवादी पार्टी ने अपना प्रत्याशी बनाया है। उन्होंने अपना नामांकन गुरूवार को कर दिया। उनकी पत्नी मधुबाला आर्य ने भी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपना नामांकन कराया है। दोनों ने ही चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। पिछले पांच साल से चुनाव की तैयारी कर रहे समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी बलवंत आर्य ने बताया कि उन्होंने भाजपा छोड़ समाजवादी पार्टी से लड़ने का फैसला किया। वहीं उनकी पत्नी मधुबाला ने कहा उन्होंने इस बार भाजपा से दावेदारी की थी, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। इसकी वजह से वह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। पति-पत्नी रोज चुनाव प्रचार के लिए घर से निकलते है। बलवंत ने 10वीं तक पढ़ाई की है वहीं उनकी पत्नी मधुबाला ने ग्रेजुएशन किया है। मधुबाला ताकुला क्षेत्र से जिला सहकारी बैंक की निदशक भी हैं।

मायावती ने जारी की आठ उम्मीदवारों की एक और सूची, 2 सीटों पर बदले प्रत्याशी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बसपा सुप्रीमो मायावती ने 8 प्रत्याशियों की एक और सूची जारी की है. इसमें चौथे चरण की बची हुई सीटों के अलावा बदले गए प्रत्याशियों के नाम हैं. बसपा ने पीलीभीत की तीन सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं. इसमें पीलीभीत के तीन प्रत्याशी, सीतापुरी और उन्नाव के दो-दो और हरदोई का एक कैंडिडेट शामिल है. बसपा सुप्रीमों ने पीलीभीत शहर सीट पर मुस्ताक अहमद, पीलीभीत की बरखेड़ा सीट पर मोहन स्वरूप वर्मा और पीलीभीत की पूरनपुर सीट पर अशोक कुमार राजा को मैदान में उतारकर दांव खेला है. इसके अलावा सीतापुर की सेवटा सीट से आशीष प्रताप सिंह और सिधौली सीट से पुष्पेंद्र कुमार को मैदान में उतारा है. वहीं, हरदोई सीट पर शोभित पाठक हाथी पर सवार होकर चुलाव लड़ेंगे. यही नहीं, बसपा की इस लिस्ट में दो प्रत्याशियों को भी बदला गया है. पार्टी ने उन्नाव की मोहान सीट पर सेवक लाल रावत को उतारा है. इससे पहले यहां से विनय चौधरी को टिकट दिया गया था. वहीं, उन्नाव की भगवंतनगर सीट से अब बृजकिशोर वर्मा बसपा से चुनाव मैदान में होंगे. अभी तक बसपा ने कुल 403 सीटों में से 232 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित किए हैं. इनमें से 61 सीटों पर मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं. इससे पहले 2017 के विधानसभा चुनाव में मायावती ने कुल 403 सीटों में से 99 सीटों पर मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे. यूपी में इस बार सात चरणों में मतदान होना है. इसकी शुरुआत 10 फरवरी को पश्चिमी यूपी के 11 जिलों की 58 सीटों पर मतदान के साथ होगी. इसके बाद दूसरे चरण में राज्य की 55 सीटों पर मतदान होगा. वहीं, तीसरे चरण में 59, चौथे चरण में 60, पांचवें चरण में 60 सीटों, छठे चरण में 57 और सातवें चरण में 54 सीटों पर मतदान होगा. 10 फरवरी को पहले चरण के मतदान के बाद 14 फरवरी को दूसरे चरण, 20 फरवरी को तीसरे चरण, 23 फरवरी को चौथे चरण, 27 फरवरी को पांचवें चरण, 3 मार्च को छठे चरण और 7 मार्च को सातवें चरण के लिए मतदान होगा. यूपी चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आएंगे. यूपी विधानसभा चुनाव 2017 में भाजपा ने 403 में से 325 सीटों पर जीत दर्ज की थी. सपा और कांग्रेस ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था. सपा ने 47 और कांग्रेस ने 7 सीटें ही जीती थीं. मायावती की बसपा 19 सीटें जीतने में कामयाब रही थी. वहीं, 4 सीटों पर अन्य का कब्जा हुआ था.

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पीएम मोदी ने महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि पर याद किया

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। आज शहीद दिवस पर, प्रधानमंत्री ने उन सभी महान लोगों को भी श्रद्धांजलि दी है,जिन्होंने साहसपूर्वक हमारे देश की रक्षा की। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि ÷बापू को उनकी पुण्य तिथि पर स्मरण कर रहा हूँ। उनके महान आदर्शों को और लोकप्रिय बनाना, हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए। आज शहीद दिवस पर, उन सभी महान लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिन्होंने साहसपूर्वक हमारे देश की रक्षा की। उनकी सेवा और बहादुरी को हमेशा याद किया जाएगा।÷

अगर गोड़से हिंदुत्ववादी होता तो गांधी को नहीं जिन्ना को गोली मारता : राउत

नई दिल्ली । शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। राउत ने कहा है कि अगर कोई असली हिन्दुत्ववादी होता तो वह महात्मा गांधी को नहीं, बल्कि मोहम्मद अली जिन्ना को गोली मारता। दरअसल राहुल ने ट्वीट किया था कि एक हिंदुत्ववादी ने गांधी को गोली मारी थी। रविवार को महात्मा गांधी की 74वीं पुण्य तिथि है। इसी दिन 1948 को नाथूराम गोडसे ने महात्मा गांधी को गोली मार कर हत्या कर दी थी। संजय राउत ने राहुल के बयान पर सहमति नहीं जताई। उन्होंने कहा अगर कोई असली हिंदुत्ववादी होता तो वह गांधी को नहीं, जिन्ना को गोली मारता। अगर जिन्ना को गोली मारी मारी जाती तो यह काम देशभक्ति का होता। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने रविवार को सुबह महात्मा गांधी को याद करते हुए ट्वीट किया कि एक हिंदुत्ववादी ने गांधी जी को गोली मारी थी। सब हिंदुत्ववादियों को लगता है कि गांधी जी नहीं रहे। जहां सत्य है, वहां आज भी बापू ज़िंदा हैं! राहुल के इसी ट्वीट पर संजय राउत ने यह बात कही।

धर्म संसद में संतों ने भारत को घोषित किया हिंदू राष्ट्र, पास किए तीन प्रस्ताव

नई दिल्ली । प्रयागराज में माघ मेले में हुई धर्मसंसद में भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया गया। सरकार से कहा गया कि संवैधानिक बदलाव करके इस पर अमल होना चाहिए। इस अवसर पर कुछ संतों ने भड़काऊ बयान दिए। मंच पर शंकराचार्च नरेंद्रानंद सरस्वती के साथ दूसरे तमाम संत माघ मेले में मौजूद रहे। पिछली धर्म संसद से एक कदम आगे बढ़ते हुए प्रयागराज की धर्मसंसद में भारत को सीधे-सीधे हिंदू राष्ट्र घोषित कर दिया गया और भारत सरकार को आदेश दिया गया कि संवैधानिक रूप से भी भारत को हिंद राष्ट्र घोषित करे। धर्म संसद में तीन प्रस्ताव पास किए गए, पहला भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाता है, दूसरा धर्मांतरण के लिए सख्त कानून बने फांसी की सजा हो और तीसरा यति नरसिंहानंद और जीतेंद्र त्यागी और उर्फ वसीम रिजवी को रिहा किया जाए।

बजट सत्र आज

विपक्ष सरकार को घेरने उठाएंगी पेगासस चीनी घुसपैठ जैसे मामले, हंगामे के आसार

नई दिल्ली।

संसद का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है इसके हंगामेदार रहने के आसार हैं और विपक्ष ने पेगासस जासूसी मामले, पूर्वी लद्दाख में चीनी 'घुसपैठ' जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी की है। बजट सत्र की शुरूआत 31 जनवरी को हो रही है और उस दिन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण उसी दिन वर्ष 2021-22 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेंगी। वित्त मंत्री एक फरवरी को वित्त वर्ष 2022-23 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। कोविड महामारी की तीसरी लहर को देखते हुए सत्र के पहले चरण के दौरान लोकसभा और राज्यसभा की बैठकें दिन में अलग-अलग समय पर आयोजित होंगी ताकि कोविड से संबंधित सामाजिक दूरी के नियमों का पालन हो सके। बजट सत्र के पहले दो दिन शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं होंगे। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा बुधवार से शुरू होगी। ऐसी संभावना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात फरवरी को चर्चा का जवाब देंगे। लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के लिए चार दिन रखे गए हैं जो दो फरवरी से शुरू होगी। संसद के बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी से 11 फरवरी तक चलेगा। इसके बाद विभिन्न विभागों के बजटीय आवंटन पर विचार के लिये अवकाश रहेगा। बजट सत्र का दूसरा चरण 14 मार्च से आरंभ होगा जो आठ अप्रैल तक चलेगा। राष्ट्रपति का अभिभाषण 31 जनवरी को होगा। लोकसभा की बैठक एक फरवरी को सुबह 11 बजे होगी और उस दिन आम बजट पेश किया जाएगा। दो फरवरी से लोकसभा की कार्यवाही शाम चार बजे से रात नौ बजे तक चलेगी। लोकसभा सचिवालय के एक हालिया बुलेटिन के अनुसार, कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर निचले सदन की बैठक के दौरान दोनों सदनों के कक्षों और दीर्घाओं का इस्तेमाल सदस्यों के बैठने के लिए किया जाएगा। बजट सत्र की बैठक ऐसे समय हो रही है जब पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, पंजाब व मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने बजट सत्र में कोरोना प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों से जुड़े मुद्दे, सीमा पर चीन के साथ गतिरोध और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने का फैसला किया है। पार्टी का कहना है कि सीमा पर चीन की बढ़ती आक्रामकता और उसके साथ चल रहे गतिरोध, महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था की स्थिति, एयर इंडिया तथा दूसरी सरकारी कंपनियों के निजीकरण तथा किसानों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

भारत के पुनर्निर्माण के लिए सादगी, स्वदेशी, स्वभाषा, सत्याग्रह एवं साधन शुद्धि के 'गांधी विचार' महत्वपूर्ण : केन्द्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने अहमदाबाद में मिट्टी के कुल्हड़ों से निर्मित गांधीजी के दीवार चित्र का अनावरणकिया

अहमदाबाद ।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शहीद स्मृति तथा गांधी निर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट हाउस में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दीवार चित्र (वॉल पेंट) का अनावरण करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सादगी, स्वदेशी, स्वभाषा, सत्याग्रह तथा साधन शुद्ध जैसे विचार भारत के पुनर्निर्माण के लिए आज भी उतने ही महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हैं। यह दीवार चित्र भारत के हस्त-कारीगरों ने मिट्टी के 2975 कुल्हड़ों से तैयार किया है। अमित शाह ने इस दीवार चित्र अनावरण अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य की दासता से देश को मुक्त करने का 'गांधी संकल्प बल' हम सबके लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी द्वारा प्रारंभ किए गए 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' समारोह का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा कि इस महोत्सव के चलते 1857 से 1947 तक भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के विषय में भारत की भावी पीढ़ी अवगत होगी। उन्होंने कहा कि यह अमृत महोत्सव हमें भारत की आज़ादी के 100 वर्ष के लक्ष्य निर्धारित करने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने पूज्य बापू के खादी, स्वदेशी, स्वभाषा तथा हस्तशिल्प जैसे विचारों को पुनर्जीवित करने का प्रशंसनीय कार्य भी किया है। शाह ने कहा कि नरेंद्रभाई ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में स्वयं खादी की ख़रीदारी कर गांधीजी के विचारों को बल प्रदान करने की शुरुआत की थी। प्रधानमंत्री ने खादी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 'खादी फ़ॉर नेशन' के साथ 'खादी फ़ॉर फ़ैशन' का नारा भी जोड़ा। अमित शाह ने इस अवसर पर सभी नागरिकों से बापू के जीवन से प्रेरणा लेने का अनुरोध करते हुए कहा कि पूज्य बापू मूक तपस्वी तथा कर्मयोगी का जीवन जिए और उनका जीवन ही उनका संदेश बना। केन्द्रीय गृह मंत्री ने नागरिकों से स्वभाषा से नाता बनाए रखने का अनुरोध करते हुए कहा कि यदि हम अपनी स्वभाषा से नाता तोड़ देंगे, तो हमारा हमारी संस्कृति से भी नाता टूट जाएगा। अमित शाह ने इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों से खादी का उपयोग कर देश के ग़रीबों को गौरवपूर्ण जीवन जीने का अवसर देने की भी अपील की।

मन की बात में बोले, मोदी- भ्रष्टाचार दीमक की तरह देश को करता है खोखला, हमें कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि जहां कर्तव्य सर्वोपरि होता है वहां भ्रष्टाचार नहीं रह सकता। पीएम ने अपने पसंदीदा कार्यक्रम 'मन की बात' में बोलते हुए कहा, 'देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। भ्रष्टाचार दीमक की तरह देश को खोखला करता है। लेकिन उससे मुक्ति के लिए इंतजार क्यों करें। यह काम हम सभी देशवासियों को आज की युवा पीढ़ी को मिलकर करना है जल्द से जल्द करना है।' उन्होंने कहा, 'इसके लिए बहुत जरूरी है कि हम अपने कर्तव्यों को प्राथमिकता दें। जहां कर्तव्य निभाने का एहसास होता है, कर्तव्य सर्वोपरि होता है वहां भ्रष्टाचार भी नहीं रह सकता।' प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वर्ष 2022 के पहले 'मन की बात' संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दिल्ली में राजपथ पर हमने देश के शौर्य और सामर्थ्य की जो झाँकी देखी, उसने सबको गर्व और उत्साह से भर दिया है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में देश इन प्रयासों के जरिए अपने राष्ट्रीय प्रतीकों को पुनः प्रतिष्ठित कर रहा है। मोदी ने कहा, 'हमने देखा कि इंडिया गेट के समीप 'अमर जवान ज्योति' और पास में ही 'राष्ट्रीय समर स्मारक' पर प्रज्वलित ज्योति को एक किया गया जो यह एक भावुक पल था।' उन्होंने कहा कि देश में अभी पद्म सम्मान की भी घोषणा हुई है। पद्म पुरस्कार पाने वाले में कई ऐसे नाम भी हैं जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'ये हमारे देश के अनाम हीरो हैं, जिन्होंने साधारण परिस्थितियों में असाधारण काम किए हैं।' उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव के आयोजनों के बीच देश में कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पुरस्कार भी दिए गए।

चर्चित चारा घोटाले से जुड़े 139 करोड़ रुपए के मामले में बहस पूरी

15 फरवरी को आएगा फैसला

रांची ।

बिहार के चर्चित चारा घोटाले के चार विभिन्न मामलों में चौदह वर्ष तक की कैद की सजा पा चुके राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। रांची के डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ रुपए के गबन से जुड़े पांचवें और अंतिम मामले में लालू यादव सहित कुल 99 आरोपियों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में शनिवार को बहस पूरी हो गई। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एसके शशि ने इस मामले में फैसला सुनाने के लिए 15 फरवरी की तारीख निर्धारित की है। सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक बीएमपी सिंह ने बताया कि फैसले के दिन सभी आरोपियों को अदालत में निजी तौर पर उपस्थित रहने का आदेश दिया गया है। चारा घोटाले में डोरंडा कोषागार से 139.35 करोड़ रुपए की अवैध निकासी से जुड़े मामले में प्रारंभ में 170 आरोपी बनाए गए थे। इसमें से 55 आरोपियों की मौत हो गई। मामले में 7 लोगों को सीबीआई ने सरकारी गवाह बनाया। वहीं, 6 आरोपी अब भी फरार हैं। इस मामले में लालू प्रसाद, पूर्व सांसद जगदीश शर्मा, पशुपालन विभाग के सहायक निदेशक केएम प्रसाद समेत अन्य मुख्य आरोपी हैं। इससे पहले, चारा घोटाले के 4 अन्य मामलों में लालू प्रसाद को दोषी ठहराया जा चुका है और उन्हें विभिन्न मामलों में 14 वर्ष तक की कैद एवं 60 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई। पहले के चार मामलों में लालू यादव को उच्च न्यायालय से जमानत मिल चुकी है और वर्तमान में वह जमानत पर हैं।

यूपी ने पांच सालों में तीव्र विकास देखा, राज्य सरकार ने वीआईपी संस्कृति को ईपीआई में बदला : राजनाथ

लखनउ

प्रदेश में विधानसभा चुनाव का प्रचार जोर-शोर से किया जा रहा है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कासगंज पहुंचकर प्रभावी मतदाता सम्मेलन को संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने कहा मेरे लिए कासगंज सिर्फ कासगंज नहीं है, बल्कि 'खासगंज' है। राजनाथ सिंह ने कहा हम विकास भी करेंगे और अपनी विरासत को भी संभालकर रखेंगे। उन्होंने कहा कि जो अपनी विरासत को संभालकर नहीं रख सकते उनकी हालत कटी पतंग जैसी हो जाती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले 5 वर्षों में तेजी से विकास देखा है। हमारी सरकार ने वीआईपी संस्कृति को ईपीआई में बदल दिया है। ईआईपी संस्कृति का मतलब है इवरी पर्सन इज इम्पोर्टेंट। इसका मतलब यह है कि हम किसी की हैसियत देखकर उसके साथ अपने रिश्ते तय नहीं करते। यही भाजपा की संस्कृति है। पिछली सरकारों पर हमला करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार रही हो या समाजवादी पार्टी की सरकार, उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। मैं गर्व से कह सकता हूं कि केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पर इस तरह के एक भी आरोप नहीं हैं। उन्होंने कहा यह चुनाव सिर्फ नई सरकार बनाने के बारे में नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की नियति लिखने के बारे में भी है। केंद्र और यूपी में भाजपा सरकारों ने शानदार काम किया है। हमारी सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा प्रधानमंत्री बनते ही नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार ग़रीबों को समर्पित कर दी थी। कोरोना काल में प्रधानमंत्री ने ग़रीबों को मुफ़्त अनाज की सुविधा प्रदान की है। इसका पूरी दुनिया में कहीं और उदाहरण नहीं है। अपने संबोधन में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को भी याद किया। राजनाथ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की स्मृतियों से यह क्षेत्र सीधा जुड़ा रहा है। कल्याण सिंह ने जेल जाना मंजूर किया मगर श्रीराम के भक्तों पर गोली नहीं चलवाई। सार्वजनिक जीवन में उनके योगदान के लिए इसी महीने उन्हें मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की तक़दीर लिखने का चुनाव है। भाजपा का चरित्र है कि हम जो कहते हैं वह करते हैं। हमने हर चुनाव में घोषणा पत्र जारी किए हैं।

देशभर में 165.70 करोड़ को लगे कोविड टीके, 24 घंटों में 2,34,281 नए केस सामने आए

नई दिल्ली ।

पिछले 24 घंटों में 62 लाख से अधिक (62,22,682) वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 165.70 करोड़ (1,65,70,60,692) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,81,35,047 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। पिछले 24 घंटों में 3,52,784 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,87,13,494 हो गई है। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 94.21 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में 2,34,281 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 18,84,937 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 4.59 प्रतिशत हैं। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 16,15,993 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 72.73 करोड़ (72,73,90,698) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 16.40 प्रतिशत है, दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 14.50 प्रतिशत है।

आज बापू जीवित होते तो उनके पैर छूकर चीन समस्या का समाधान पूछता : दलाई लामा

नई दिल्ली ।

आज अगर बापू (महात्मा गांधी) जीवित होते तो उनके पैर छूकर चीन समस्या का समाधान पूछता यह बात बौद्ध धर्म गुरु दलाई लामा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 74वीं पुण्यतिथि पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए कही। दलाई लामा ने कहा है कि अगर इस समय महात्मा गांधी जिंदा होते तो वह उनके पैर छूना चाहते और चीन समस्या का उनसे हल पूछते। दलाई लामा ने महात्मा गांधी और चीन के संबंध में कई बातें की हैं। बौद्ध गुरु ने एक मीडिया इंटरव्यू में कहा है कि महात्मा गांधी के निधन को कई साल हो गए हैं। लेकिन अभी भी उनके विचारों को मौजूदा समस्याएं हल करने के लिए अपनाया जा सकता है। इनमें चीन की समस्या भी शामिल है। बता दें कि तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद से ही दलाई लामा भारत में बतौर रिफ्यूजी रह रहे हैं। दलाई लामा ने कहा है, 'मेरे लिए महात्मा गांधी अहिंसा और करुणा के प्रतीक हैं। गांधी जी ने अपने जीवन से अहिंसा और करुणा दोनों सिद्धांतों का उदाहरण पेश किया है। मैं उन्हें अपना गुरु और खुद को उनका एक नन्हा-सा अनुयायी मानता हूं।' उन्होंने कहा, 'बचपन में हम महात्मा गांधी के बारे में पढ़ते-सुनते थे। पोटला पैलेस में ठहरने के दौरान मैंने सपने में महात्मा गांधी को देखा और उन्हें देखकर मुस्कुराया था। हालांकि मैंने उनसे सपने में बात नहीं की थी, मैंने बस उन्हें सपने में देखा था।' दलाई लामा ने 1956 में अपनी पहली भारत यात्रा को याद किया। वह उस दौरान दिल्ली स्थित महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट भी गए थे। उन्होंने कहा, 'जब मैं वहां प्रार्थना में खड़ा हुआ, तो मुझे उनसे व्यक्तिगत रूप से न मिल पाने का बहुत अफसोस हो रहा था। मेरी ख्वाहिश थी कि मैं उनसे मिलता तो पैर छूकर उन्हें प्रणाम करता और समाधान के रूप में पूछता कि चीन से कैसे निपटा जाए। 1989 में ओस्लो में नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकारते हुए मैंने गांधी जी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा था कि गांधी जी के जीवन ने मुझे सिखाया और प्रेरित किया।' उन्होंने कहा, 'गांधी जी शायद हमारे समय के सबसे महान व्यक्ति थे। उन्होंने भारत और मानव जाति की भावना को बनाए रखने के लिए शांति और सद्भाव में सच्चे विश्वास को अपनी अंतिम सांस तक कायम रखा। उन्होंने अफ्रीका और अमेरिका में नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे अनुयायियों को प्रेरित किया था।'